ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष- 13, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 352 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
27 जून 2026
शनिवार

आज का मौसम
33.8 अधिकतम
24.8 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

बड़ी कठिन है डगर पश्चिम एशिया की...

अमेरिका और ईरान के बीच हालिया कूटनीतिक समझौता हो या इजरायल और लेबनान के बीच तनाव कम करने की कोशिशें, इन्हें पश्चिम एशिया में स्थायी शांति का संकेत मान लेना जल्दबाजी होगी। इस क्षेत्र का इतिहास बताता है कि यहां युद्ध जितने जल्दी शुरू होते हैं, उतनी ही जल्दी युद्धविराम भी हो जाता है, लेकिन संघर्ष के मूल कारण वर्षों तक बने रहते हैं। इसलिए मौजूदा स्थिति को स्थायी शांति नहीं, बल्कि एक अस्थायी विराम के रूप में देखना अधिक उचित होगा। बीते एक वर्ष की घटनाओं ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि पश्चिम एशिया में केवल सैन्य शक्ति के दम पर राजनीतिक समाधान संभव नहीं हैं। अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर अभूतपूर्व सैन्य दबाव बनाया, लेकिन अंततः बातचीत का रास्ता भी अपनाना पड़ा। इससे ईरान को यह संदेश देने का अवसर मिला कि वह केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि पश्चिम एशिया की रणनीतिक राजनीति का अनिवार्य केंद्र है। आने वाले समय में तेहरान अपने इस बढ़े हुए प्रभाव को और मजबूत करने की कोशिश करेगा। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू आर्थिक है। वर्षों से प्रतिबंधों के कारण ईरान की लगभग 100 से 120 अरब डॉलर की विदेशी संपत्तियां विभिन्न देशों में फंसी हुई हैं। इनमें दक्षिण कोरिया, इराक, चीन, जापान और यूरोप के कई देशों में जमा धन शामिल है, जबकि अमेरिका में सीधे फ्रीज संपत्तियों का मूल्य लगभग 2 अरब डॉलर के आसपास माना जाता है। स्वाभाविक है कि किसी भी व्यापक समझौते में इन संपत्तियों तक ईरान की पहुंच सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में से एक रहेगी। युद्ध के बाद ईरान के पुनर्निर्माण पर भी भारी निवेश की आवश्यकता होगी। विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्टों में लगभग 300 अरब डॉलर तक के पुनर्निर्माण निवेश की चर्चा हुई है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि इसका वित्तीय बोझ कौन उठाएगा। अमेरिका अपनी सरकारी तिजोरी से इतनी बड़ी राशि देने की स्थिति में दिखाई नहीं देता, जबकि खाड़ी के देशों के लिए भी यह राजनीतिक और आर्थिक रूप से आसान निर्णय नहीं होगा। ऐसे में पुनर्निर्माण की पूरी प्रक्रिया लंबी और जटिल रहने की संभावना है।

वॉर एनालिसिस
राजेश सिरोठिया

दूसरी ओर, अमेरिका भी लंबे समय तक पश्चिम एशिया में महंगी सैन्य मौजूदगी बनाए रखने की स्थिति में नहीं दिखता। यदि भविष्य में ईरान पर फिर से अत्यधिक दबाव बनाया जाता है तो उसके पास जवाबी रणनीतिक विकल्प मौजूद हैं। सबसे महत्वपूर्ण है हार्मुज जलडमरूमध्य, जहां से दुनिया के समुद्री तेल व्यापार का लगभग 20 प्रतिशत गुजरता है। इस मार्ग में किसी भी प्रकार की बाधा पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति और तेल बाजार को प्रभावित कर सकती है। इसी प्रकार लाल सागर के प्रवेश द्वार बाब-अल-मंदेब पर यमन के हूती विद्रोहियों की सक्रियता भी वैश्विक व्यापार के लिए चुनौती बनी हुई है। यदि क्षेत्रीय तनाव फिर बढ़ता है तो हार्मुज के साथ-साथ लाल सागर का समुद्री मार्ग भी प्रभावित हो सकता है। इसका असर केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि एशिया और यूरोप के बीच व्यापारिक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर भी पड़ेगा। इजरायल और लेबनान के बीच किसी भी समझौते की वास्तविक परीक्षा भी अभी बाकी है। दक्षिणी लेबनान में प्रभाव रखने वाला हिजबुल्ला यदि समझौते की शर्तों को स्वीकार नहीं करता या इजरायली सैन्य मौजूदगी जारी रहती है, तो सीमा पर तनाव दोबारा उभर सकता है। यही कारण है कि पश्चिम एशिया में किसी भी समझौते की सफलता केवल हस्ताक्षरों से नहीं, बल्कि क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन और पारस्परिक विश्वास से तय होगी।

निष्कर्ष यह है कि पश्चिम एशिया में फिलहाल बंदूकें भले कुछ समय के लिए शांत दिखाई दें, लेकिन बारूद अभी भी सूखा नहीं है। प्रॉक्सी युद्ध, ऊर्जा मार्गों पर नियंत्रण की प्रतिस्पर्धा, धार्मिक-राजनीतिक ध्रुवीकरण और महाशक्तियों के रणनीतिक हित इस क्षेत्र को लंबे समय तक अस्थिर बनाए रख सकते हैं। इसलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि पश्चिम एशिया की राह आज भी कठिन है और निकट भविष्य में इसके आसान होने के संकेत फिलहाल दिखाई नहीं देते।

संकट में सीजफायर... ईरान ने कहा- आगे और बड़े हमले होंगे

फिर गरजीं मिसाइलें: अमेरिका-ईरान टकराव ने बढ़ाई दुनिया की चिंता

ईरान के मिसाइल-ड्रोन ठिकानों पर हमला, ईरान ने भी अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया

तेल तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

होर्मुज मार्ग से गुजर रहे जहाजों पर ईरान के ड्रोन हमलों के बाद शुक्रवार देर रात अमेरिका ने ईरान पर करीब एक घंटे तक हमले किए। इसमें अमेरिकी सेना ने मिसाइल-ड्रोन ठिकानों और तटीय रडार साइट्स को निशाना बनाया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ईरान ने सीजफायर तोड़ा, इसलिए जवाबी कार्रवाई की गई। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, 25 जून को ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में सिंगापुर के कार्गो शिप 'एमवी एवर लवली' पर ड्रोन हमला किया था। दूसरी ओर, ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी के मुताबिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्र्स की नौसेना ने दावा किया है कि उसने जवाब में क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है।

ईरान की संसद के सदस्य इब्राहिम अजीजी ने एक्स पर लिखा कि अमेरिका ने एक बार फिर बातचीत के बीच ईरान पर हमला किया है। युद्धविराम का यह उल्लंघन अमेरिका के लिए पीछे हटने और पछतावे की वजह बनेगा।

कामर्शियल जहाज पर हमले का बदला

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि ये हमले 25 जून को वाणिज्यिक जहाज एम/वी एवर लवली पर हुए हमले के जवाब में था। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी सेना ईरान के साथ हुए समझौते के सभी पहलुओं का पालन सुनिश्चित करने के लिए मौजूद और सतर्क है, ताकि यह पूरी तरह से लागू रहे। अमेरिकी सेनाएं होर्मुज से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों को सुरक्षित मार्ग समन्वय और समर्थन प्रदान

करना जारी रखे हुए हैं, जहां से विश्व का 20 प्रतिशत ईंधन गुजरता है। ओमान तट पर जहाज पर हुए हमले के बाद अमेरिकी सेना ने यह हमला किया है। अमेरिकी सेंटकॉम ने हमलों के स्थान के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। ईरानी सरकारी टेलीविजन ने सिरिक के एक रिपोर्टर के हवाले से बताया कि शुक्रवार देर रात दक्षिणी बंदरगाह शहर के ताहेरूयेह घाट पर एक विस्फोट की आवाज सुनी गई।

ईरान ने दी चेतावनी

अमेरिकी हमलों के कुछ ही समय बाद ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने कहा कि उन्होंने खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों पर हमला किया है। ढ्ढक्रत्रष्ट ने अमेरिका को चेतावनी दी कि अगर यह आक्रामकता दोहराई जाती है, तो हमारी प्रतिक्रिया इससे कहीं अधिक व्यापक होगी।

ईरानी मीडिया का दावा- हमले में कोई नुकसान नहीं

ईरानी मीडिया के मुताबिक सिरिक पोर्ट पर अमेरिकी हमले से कोई नुकसान नहीं हुआ है। ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी ने पूर्वी होर्मोजगान क्षेत्र के पोर्ट चीफ के हवाले से बताया कि हमले के बाद भी सामान्य रूप से काम कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पोर्ट के किसी भी उपकरण को नुकसान नहीं पहुंचा है, जबकि पहले वहां विस्फोटों की खबरें सामने आई थीं।

अमेरिका ने जारी किया हमले का वीडियो

अमेरिकी सेंट कमान इस हमले का वीडियो भी जारी किया है। हालांकि, अमेरिकी सैनिकों ने हमले बारे में सटीक स्थान की कोई जानकारी नहीं दी है। अमेरिकी सेंट कमान ने 39 ईरानी ठिकानों पर हमले का दावा किया है और 37 सकेंड का वीडियो जारी किया है।

न्यूज विंडो

पीएम मोदी आज से सेशेल्स की राजकीय यात्रा पर

नई दिल्ली। पीएम नरेन्द्र मोदी आज से 29 जून तक सेशेल्स की राजकीय यात्रा करेंगे।

सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी के निमंत्रण पर पीएम की यह यात्रा हो रही है। पीएम मोदी सेशेल्स के राष्ट्रीय दिवस की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। इस दौरान भारतीय रक्षा बलों की एक टुकड़ी और नौसेना के दो जहाज समारोह में भाग लेंगे।

मोहर्रम वैन ब्लास्ट कांड में एटीएस ने शुरू की जांच

उज्जैन-बड़नगर। बड़नगर में मोहर्रम के जुलूस के दौरान वैन को क्रेन के माध्यम से हवा में लटकाकर विस्फोट करने के मामले में एफएसएल टीम जांच में जुट गई है। इस बीच एटीएस ने भी इनपुट जुटाए हैं। पुलिस ने मामले में चार आरोपितों को गिरफ्तार किया था। इनमें से क्रेन मालिक को जेल भेजा है, जबकि तीन आरोपितों को कोर्ट ने तीन दिन के पुलिस रिमांड पर सौंपा है।

खान सर की गिरफ्तारी पर रोक, 30 को सुनवाई

पटना। खान ग्लोबल स्टडीज के संचालक फैजल खान उर्फ खान सर की अग्रिम जमानत याचिका पर आज पटना सिविल कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने इस केस डायरी को पढ़ने के लिए तीन दिनों का समय दिया है। अब 30 जून को केस की सुनवाई होगी। इस अवधि तक फैजल खान की गिरफ्तारी पर रोक जारी रहेगी। उनके दो गार्ड की याचिका पर भी उसी दिन सुनवाई होगी।

आज का कार्टून

छह राज्यों में प्री-मानसून बारिश

एमपी-झारखंड में आंधी-बिजली का कहर जारी, 16 की गई जान

शाजापुर जिले के शुजालपुर में दो घंटे तक तेज बारिश के बाद दृश्य।

» उत्तराखंड में घरों-स्कूलों में मलबा घुसा, गाड़ियां दबीं

भोपाल/जयपुर/लखनऊ

देश के 6 राज्यों उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा के कई इलाकों में प्री-मानसून बारिश जारी है। हालांकि, छह राज्यों में तेज गर्मी भी हो रही है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा में पारा 42एष्ट से ज्यादा दर्ज किया गया।

मध्य प्रदेश के बालाघाट में शुक्रवार को बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ लोग झुलस गए। देवास में आंधी-बारिश से मकान की बालकनी का हिस्सा गिर गया, हादसे में 2 महिलाओं की मौत हो गई।

वहीं झारखंड में भी बिजली गिरने से 10 और छत्तीसगढ़ में दो लोगों की मौत हो गई। उत्तराखंड के चमोली में देर रात हुई मूसलाधार बारिश के बाद बादल फटने जैसी घटना हुई, जिससे स्कूल, 8 बड़ी गाड़ियां, एंबुलेंस और मकानों में मलबा घुस गया है।

मानसून ने देश के 22 राज्यों को कवर कर लिया है। 5 जुलाई तक बाकी राज्यों को कवर कर सकता है। यूपी में मानसून 8 दिन लेट है। यह आमतौर पर 20 जून तक आ जाता है लेकिन इस बार 15 दिनों से बिहार बॉर्डर पर रुका है। यह अगले 2 दिन में बिहार बॉर्डर से प्रदेश में एंट्री कर सकता है।

अंतरराष्ट्रीय MSME दिवस समिट में शामिल होंगे सीएम डॉ. यादव

भोपाल। 10वां अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस पर रवींद्र भवन में आज होने वाले 'सशक्त उद्यमी समृद्ध मध्यप्रदेश समिट' में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल होंगे। इस समारोह में एमएसएमई इकाइयों को 225 करोड़ 19 लाख और स्टार्ट-अप को लगभग 39 लाख की राशि अंतरित की जाएगी। जिसमें एमओयू के साथ ही औद्योगिक क्षेत्रों का शुभारंभ और भूमिपूजन मुख्यमंत्री द्वारा किया जाएगा। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य काश्यप भी उपस्थित रहेंगे।

मुरैना में ट्रिपल मर्डर से फैली सनसनी

डांस वीडियो से नाराज पति ने पत्नी-बच्चों को कुल्हाड़ी से काट कर आमहत्या की

मुरैना, एजेंसी

मुरैना जिले के किशनपुर गांव में देर रात 35 वर्षीय बलराम सिंह कुशवाहा ने पहले अपनी पत्नी और दो मासूम बेटों की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। इसके बाद गांव से कुछ दूरी पर स्थित शिकारपुर रेलवे फाटक पहुंचा और ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली।

बसैया थाना प्रभारी विवेक तोमर ने बताया कि वारदात घर के आंगन में हुई। घर चारों ओर से ऊंची बाउंड्री से घिरा हुआ है। आज सुबह पड़ोसियों ने देखा कि घर का मुख्य गेट बाहर से बंद है। शक होने पर उन्होंने बाउंड्री के ऊपर से अंदर झांक कर देखा तो महिला और दोनों बच्चों के शव पड़े मिले। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस के मुताबिक, बलराम सिंह ने देर रात सो रही अपनी 32 वर्षीय पत्नी रविता कुशवाहा पर कुल्हाड़ी से हमला किया। इसके बाद उसने अपने दोनों बेटों, 8 वर्षीय आरव और 5 वर्षीय देबू पर भी ताबड़तोड़ वार किए। हमले में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार बलराम की पत्नि रविता ने एक माह पहले गांव की भागवत कथा में डांस किया था, जिसका वीडियो गांव के कुछ लड़कों ने बनाकर बलराम को वॉट्सएप कर दिया था।इससे बलराम नाराज था।

वेनेजुएला में फिर आया भूकंप, अब तक 920 मौतें

कराकस, एजेंसी

दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में 25 जून को आए दो भूकंप के बाद आज एक और भूकंप आया। देश के उत्तरी तट के पास इस भूकंप की तीव्रता 4.9 रिक्टर मापी गई। रॉयटर्स के मुताबिक इसके झटके राजधानी कराकास और माराके में भी महसूस किए गए।

वहीं, पिछले भूकंप के तीन दिन बाद मरने वालों की संख्या बढ़कर 920 हो गई है। 3360 से ज्यादा लोग घायल हैं, जबकि 51,700 से ज्यादा लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि अब तक 243 लोगों को जिंदा बचाया गया है। राहत और बचाव अभियान जारी है, इसलिए मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है।कई इलाकों में सरकारी राहत टीमों की कमी के कारण लोग परिजन को ढूंढ़ने के लिए खुद मलबा हटाने में जुटे हैं।

पाकिस्तान में भूकंप के झटके, घरों से बाहर भागे लोग

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में शनिवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। जिसके कारण लोगों में अफरा-तफरी मच गई और लोग घरों से बाहर निकल गए। रिक्टर पैमाने पर पाकिस्तान में आए भूकंप की तीव्रता 5.4 मापी गई है।फिलहाल इस भूकंप से किसी बड़े जान-माल के नुकसान की कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

मेट्रो एंकर — स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में भारत की ऊंची छलांग... अत्याधुनिक परमाणु प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि

परमाणु ऊर्जा से चलने वाले विश्व के पहले हाइड्रोजन केंद्र की शुरुआत

चेन्नई, एजेंसी

भारत ने स्वच्छ ऊर्जा और अत्याधुनिक परमाणु प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। परमाणु ऊर्जा विभाग ने कलपक्कम में इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र में परमाणु ऊर्जा से चलने वाले दुनिया के पहले हाइड्रोजन उत्पादन केंद्र को स्थापित किया है।

यह केंद्र टेक्नोलाजी डेमोंस्ट्रेटर के तौर पर स्थापित किया गया है ताकि भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी), मुंबई द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित कापर-क्लोरीन थर्मोकेमिकल प्रक्रिया का इस्तेमाल करके परमाणु ऊर्जा से हाइड्रोजन बनाने की प्रक्रिया को परखा जा सके।

इस केंद्र का उद्घाटन परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के सचिव और परमाणु ऊर्जा आयोग (एईसी) के अध्यक्ष अजीत कुमार मोहंती ने इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र (आइजीसीएआर) के निदेशक श्रीकुमार जी. पिल्लई की मौजूदगी में किया।आईजीसीएआर के अनुसार, यह उपलब्धि अत्याधुनिक परमाणु रिएक्टरों का इस्तेमाल कर बड़े पैमाने पर कार्बन-मुक्त हाइड्रोजन उत्पादन के लिए आशाजनक मार्ग प्रशस्त करने वाली है।

कम ऑपरेटिंग तापमान की आवश्यकता

दुनिया भर में विकसित की जा रही हाइड्रोजन उत्पादन की विभिन्न तकनीकों में से, कापर-क्लोरीन र्मोकेमिकल चक्र को सबसे आशाजनक तकनीकों में से माना जाता है, क्योंकि इसके लिए अपेक्षाकृत कम आपरेटिंग तापमान की आवश्यकता होती है और इसकी थर्मोडायनामिक दक्षता अधिक होती है। फास्ट रिएक्टरों से मिलने वाली न्यूक्लियर हीट का इस्तेमाल करके यह प्रक्रिया जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को काफ़ी कम कर देती है और पारंपरिक हाइड्रोजन उत्पादन के तरीकों से होने वाले ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को खत्म कर देती है। इस केंद्र का शुरू होना व्यापक शोध, विकास, इंजीनियरिंग डिज़ाइन, उपकरण निर्माण, इंस्टालेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग के प्रयासों का परिणाम है।

गोविंदपुरा के 800, मंडीदीप के 600 और देवास के 1500 उद्योगों को मिली राहत

व्यावसायिक एलपीजी पर प्रतिबंध हटते ही उद्योग जगत में आई जान

उद्योगपतियों ने केंद्र सरकार के फैसले का किया स्वागत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

केंद्र सरकार ने ईरान युद्ध खत्म होने के बाद तीन माह बाद स्थिति सामान्य होते ही व्यावसायिक एलपीजी आपूर्ति पर लगे प्रतिबंध हटा लिया है। इससे तीन माह से प्रतिबंध से परेशान उद्योग जगत को राहत मिली है। उद्योगपतियों ने केंद्र सरकार के इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि इससे उद्योग जगत में जान आ गई है। अब हम पुनः ग्रोथ हासिल कर सकेंगे।

बता दें कि मध्य प्रदेश में 53 लाख से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम पंजीकृत हैं, जिनमें से 25 लाख से अधिक इकाइयां, 51 जिलों के सात औद्योगिक केंद्रों और 31 से अधिक औद्योगिक विकास केंद्रों में स्थापित है।

उद्योगपतियों के अनुसार खाड़ी युद्ध के चलते

तेल- गैस संकट से प्रदेश के लगभग 65 फीसदी एलपीजी गैस की किल्लत से जूझ रहे थे। इन उद्योगों में से अधिकतर छोटी इकाईयां है, जोकि एलपीजी गैस का उपयोग करते हैं। व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों की गंभीर कमी ने भोपाल, पीथमपुर और मंडीदीप के औद्योगिक क्षेत्रों में सैकड़ों उद्योगों को बंद होने के कगार पर पहुंच गए थे। इसका असर पहले से ही उत्पादन और खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों में दिखा, जिससे आर्थिक नुकसान हुआ।

चार गुना कीमत पर बिकते रहे सिलेंडर

गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र में लगभग 500 -600 उद्योग संचालित हैं, वाणिज्यिक एलपीजी आपूर्ति में अचानक रुकावट से उत्पादन गतिविधियों पर गंभीर प्रभाव पड़ा है। संघ के अध्यक्ष विजय गौर ने कहा कि भोपाल को देश में पावर ट्रांसफार्मर टैंकों के निर्माण के प्रमुख केंद्रों में से एक माना जाता है। ऐसे में गैस पर प्रतिबंध से झटका लगा है। उन्होंने कहा कि हालांकि अप्रत्यक्ष माध्यमों से सिलेंडर उपलब्ध हैं, वहां उन्हें सामान्य कीमत से लगभग चार गुना अधिक कीमत पर बेचा जा रहा है।

पीथमपुर में एलपीजी संकट के कारण 100 से अधिक कारखाने मुश्किलों का सामना कर रहे थे। जीवन रक्षक इंजेक्शन बनाने वाली कंपनियां गैस के बिना सीलिंग प्रक्रिया पूरी नहीं कर पा रही हैं, जबकि कई कारखाने पूरी तरह से गैस आधारित प्रणालियों पर ही अपना संचालन करते हैं। पीथमपुर के अध्यक्ष गौतम कोठारी ने कहा कि इंजीनियरिंग, फार्मास्युटिकल और रासायनिक उद्योग समान चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, क्योंकि अधिकांश क्षेत्र अब कुछ हद तक गैस पर निर्भर हैं।

मंडीदीप इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष विकास मुंद्रा ने बताया कि मंडीदीप रायसेन में गैस आपूर्ति में व्यवधान के कारण उद्योगों में उत्पादन बुरी तरह प्रभावित हुआ था, जिससे उत्पादन में कमी आई है और परिचालन लागत में वृद्धि हुई है। वही एसो. के सचिव नीरज जैन के अनुसरा क्षेत्र की लगभग 80-90 प्रतिशत फैक्ट्रियां मुश्किलों का सामना करना पड़ा, क्योंकि अधिकांश इकाइयां संचालन के लिए गैस पर निर्भर हैं। मंडीदीप में 400 से अधिक फैक्ट्रियां हैं। इनमें से अधिकांश प्रभावित हुई।

कॉरिडोर में बढ़ते निर्माण और इंसानी दखल से बढ़ा खतरा

चंदनपुरा फॉरेस्ट में फिर दिखा बाघ फार्महाउस में घुसते ही वीडियो रिकॉर्ड

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के चंदनपुरा सिटी फॉरेस्ट क्षेत्र के पास एक बार फिर बाघ की मौजूदगी सामने आने से लोगों में चिंता बढ़ गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब सात बजे के बाघ की दहाड़ सुनाई दी और उसे क्षेत्र में देखा भी गया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि बाघ पास के एक निजी फार्महाउस की बाउंड्री के अंदर जाता दिखाई दिया। घटना का वीडियो भी स्थानीय लोगों ने रिकार्ड किया है।

पहले भी आ चुका है बाघ

क्षेत्र में यह पहला मामला नहीं है। पिछले कुछ समय से बाघों की आवाजाही लगातार देखी जा रही है। दूसरी ओर, मॉर्निंग वॉक, निजी गतिविधियों और आसपास बढ़ते निर्माण कार्यों के कारण लोगों की मौजूदगी भी तेजी से बढ़ी है। ऐसे में वन्यजीव और इंसानों के आमने-सामने आने का खतरा बढ़ रहा है। विशेषज्ञ मानते हैं कि बाघ सामान्य रूप से इंसानों से दूरी बनाए रखते हैं, लेकिन जब उनके प्राकृतिक आवागमन मार्ग यानी कॉरिडोर में सड़कें, निजी

निर्माण और भूमि विकास बढ़ने लगते हैं तो उनका रास्ता प्रभावित होता है। ऐसी स्थिति में बाघ आबादी वाले क्षेत्रों की ओर बढ़ सकते हैं, जिससे दुर्घटना, हमले या वन्यजीवों के घायल होने जैसी घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। स्थानीय स्तर पर यह भी चिंता जताई जा रही है कि क्षेत्र में वन विभाग की स्थायी चौकी नहीं होने से निगरानी और त्वरित कार्रवाई प्रभावित हो सकती है। लोगों और विशेषज्ञों का मानना है कि स्थिति को गंभीर होने से पहले नियंत्रित करना जरूरी है। इसके लिए बाघों के प्राकृतिक कॉरिडोर की पहचान और संरक्षण, संवेदनशील क्षेत्रों में निर्माण गतिविधियों की समीक्षा, वन विभाग की नियमित निगरानी, चेतावनी बोर्ड, गश्त बढ़ाने और स्थानीय लोगों को जागरूक करने जैसे कदम उठाए जाने चाहिए।

मॉर्निंग वॉक पर गए दंपती को दिखा बाघ

चंदनपुरा क्षेत्र में टाइगर की मूवमेंट देखी गई है। मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों को टाइगर दिखाई दिया। एक दंपती के बेहद करीब तक टाइगर पहुंच गया था। महिला के शोर मचाने पर बाघ झाड़ियों में चला गया। वहीं वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सर्चिंग शुरू कर दी। वन्यजीव एक्सपर्ट राशिद नूर ने बताया कि क्षेत्र में बड़ी जाली लगी हुई है, लेकिन उसका एक हिस्सा खुला है। आशंका है कि टाइगर उसी रास्ते से आवाजाही करता है। मॉर्निंग वॉक पर निकली महिला ने बताया कि वह पति के साथ टहल रही थी। इसी दौरान उसके बिल्कुल पास से एक जानवर निकला। पहले उसे लगा कि कोई कुत्ता होगा, लेकिन ध्यान से देखने पर पता चला कि वह बाघ है। महिला ने जोर से चिल्लाकर उन्हें आवाज दी, जिसके बाद बाघ झाड़ियों में चला गया।

200 से ज्यादा आयुर्वेद-यूनानी कॉलेजों की मान्यता खतरे में

एनसीआईएसएम की सख्ती, फर्जी शिक्षक दिखाए तो लगेगा 25 लाख का अर्थदण्ड

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश सहित देशभर के आयुर्वेद, सिद्धा , यूनानी - एएसयू आयुष मेडिकल कॉलेजों पर सख्ती के साथ सत्र 2026-27 से दण्डात्मक नीति लागू कर दी है। इस आशय का परिपत्र भारतीय चिकित्सा पद्धाति राष्ट्रीय आयोग (एनसीआईएमएस बोर्ड) की 160 वीं बैठक के बाद आयोग के अध्यक्ष डॉ मुकुल पटेल ने जारी किया है।

इस परिपत्र के जारी होने से मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, गुजरात, बिहार, उत्तराखण्ड, नई दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़, पंजाब, महाराष्ट्र समेत देशभर के 700 में से 200 से ज्यादा एएसयू महाविद्यालयों की मान्यता 2026-27 में खतरे में पड़ सकती है अथवा इनकी यूजी सीटें कम हो सकती हैं। परिपत्र के अनुसार संस्थान में अगर शिक्षक, गैर शिक्षक एवं छात्रावास स्टाफ की उपस्थिति के लिए एईबीएएस आइरिस सिस्टम नहीं होगा तो इस निरीक्षण सत्र की मान्यता भी रद्द हो सकती है। महाविद्यालयों द्वारा निरीक्षण कराने से मना करने पर कॉलेज की वर्तमान सत्र के लिए अनुमति-मान्यता रद्द कर दी जाएगी। अगर शिक्षक (फैकल्टी) सिर्फ कागजों (ऑप पेपर) पर पाया गया तो प्रति शिक्षक 25 लाख का अर्थदण्ड तथा शिक्षक को एक वर्ष के लिए प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। अगर शिक्षक लगातार तीन वर्षों तक ऑन पेपर पाया गया तो हमेशा के लिए उसका शिक्षक कोड स्थाई रूप से रद्द कर दिया जाएगा। प्रत्येक अपर्याप्त शिक्षण संकाय की कमी पर कुल मान्य सीटों में से 5 सीटों की कमी कर दी जाएगी। अस्पताल के संचालन में लापरवाही पर सीटों की संख्या में तीस फीसदी तक कटौती करने पर विचार हो सकता है।

बता दें जिस प्रकार से देशभर के आयुर्वेद - एएसयू आयुष महाविद्यालयों में शिक्षक स्टॉफ की कमी है और मापदण्डों में लापरवाही हो रही है उससे अनुमान लगाया जा रहा है कि देशभर के 200 से ज्यादा आयुष महाविद्यालयों की मान्यता खतरे में पड़ सकती है। वर्तमान में प्रदेश समेत देशभर में आयुर्वेद, सिद्धा , यूनानी के 700 से ज्यादा महाविद्यालय हैं, जिनमें दो लाख से ज्यादा छात्र अध्ययनरत हैं।

मापदण्डों का पालन शासकीय व निजी दोनों संस्थानों पर एक समान लागू होगा। आयुष मेडिकल एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. राकेश पाण्डेय का कहना है कि इस दण्डात्मक नीति का स्वागत है, परंतु प्रदेश समेत देशभर के आयुष कॉलेजे शिक्षकों की कमी से जूझ रहे हैं। एनसीआईएसएम व आयुष मंत्रालय को मापदण्डों में 10 से 20 फीसदी का चयन देने पर विचार करना चाहिये।

ब्रह्माकुमारी केंद्र पर पूज्य सिंधी पंचायत के नव-निर्वाचित पदाधिकारियों का किया सम्मान

संतनगर, दोपहर मेट्रो।

संतनगर के ब्रह्माकुमारीज़ सी.आर.पी. केंद्र पर पूज्य सिंधी पंचायत के नव-निर्वाचित पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। केन्द्र प्रभारी बीके वंदना दीदी ने पंचायत के नवनियुक्त अध्यक्ष माधु चांदवानी समेत अन्य पदाधिकारियों का स्वागत किया। उन्होंने ने पंचायत के सदस्यों को ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा समाज कल्याण, सकारात्मक जीवनशैली और आध्यात्मिक उन्नति के लिए देश-विदेश में की जा रही निःस्वार्थ सेवाओं से विस्तारपूर्वक अवगत कराया। बताया गया कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा (दादा लेखराज कृपलानीजी) भी मूल रूप से सिंधी समाज से ही थे।

सिंधी पंचायत के अध्यक्ष माधु चांदवानी ने संस्थान के सेवा कार्यों की सराहना की। चांदवानी विश्वास दिलाया कि पूज्य सिंधी पंचायत इस ईश्वरीय संस्था के समाजोपयोगी और मानवीय सेवा कार्यों से सदा जुड़ी रहेगी और हर संभव सहयोग करेगी। इस अवसर पर पंचायत के पदाधिकारी ओमप्रकाश रीझवानी, भरत आसवानी, गुलाब जेठानी, राजकुमार वाधवानी, हरीश मेहरचंदानी, जेठानंद मंगतानी, किशोर साधवानी, माधव पारदासानी, राकेश शेवानी, अमित राजा, पुरुषोत्तम हरचंदानी मौजूद थे। कार्यक्रम के समापन पर ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की ओर से पंचायत के सभी सम्मानित सदस्यों को स्मृति चिह्न दिए गए। इस मौके पर समाज के प्रबुद्ध नागरिक इंद्र कुमार रामानी, रवि सतानी, संतोष जेठानी, हेमंत सावलानी, संदीप पाटीदार सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे।

सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए चार संदिग्ध

वृद्ध दंपति को कमरे में बंदकर माल लूट ले गए

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गोविंदपुरा स्थित शक्ति नगर में वृद्ध दंपति को कमरे में बंद करने के बाद माल हीरे और सोने के जेवरात लूटा गया। संदिग्धों की संख्या चार सामने आई है। इधर, हबीबगंज में भी हीरे और सोने के जेवरात चोरी चले गए। पुलिस को दोनों मामलों में अभी कोई सुराग नहीं मिला है।

वारदात शक्ति नगर स्थित व्यंजन रेस्टोरेंट के सामने बुधवार रात लगभग साढ़े नौ बजे अंजाम दी गई। यहां 62 वर्षीय प्रदीप रंजन दास का परिवार रहता है। मकान में जब वारदात हुई तो वे पत्नी के साथ एक कमरे में थे। जबकि दूसरे कमरे में उनकी वयोवृद्ध मां थी। उन्हें घर में किसी व्यक्ति के होने का अहसास हुआ। वे दरवाजा खोलकर बाहर आने का प्रयास किया तो वह बाहर से बंद था। इसके बाद उन्होंने काफी शोर मचाया। फिर पड़ोसी को फोन करके यह मामला बताया। पुलिस ने इस मामले में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात प्रकरण दर्ज किया। पुलिस को बाजार और शक्ति नगर में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले हैं। जिसमें चार संदिग्ध उनके मकान से निकलकर भागते दिखाई दिए हैं। बदमाश हीरे के कान में पहनने वाले फूल और सोने की अंगूठी ले गए हैं। सोने की अंगूठी करीब 50 हजार रुपए की हैं।

सेवा केंद्र संचालक के घर चोर का धावा

हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित जनता कॉलोनी में ताला तोड़कर हीरे के कान में पहनने वाले फूल और सोने की अंगूठी चोरी चली गई। शिकायत मोहम्मद आसिफ पिता अशफाक अली उम्र 30 साल ने दर्ज कराई है। उनकी कोलार रोड स्थित दानिश कुंज कॉलोनी में दो पहिया वाहनों का सेवा केंद्र संचालित करते हैं। पुलिस ने चोरी गई संपत्ति की कीमत 46 हजार रुपए बताई है। जबकि पीड़ित मोहम्मद आसिफ इसे ज्यादा बता रहे हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि बुधवार-गुरुवार तीन बजे घर के सामने वाले मकान में ताला लगा देखा था। सुबह छह बजे वह टूटा मिला। जहां वारदात हुई उसके ही नजदीक अरेरा कॉलोनी भी शुरु हो जाती है।

महिला के गले से सोने की चेन चोरी

भोपाल। अयोध्या नगर इलाके में स्थित मंडी में एक महिला के गले से सोने की चेन चोरी चली गई। महिला खरीददारी में व्यस्त थी। तभी उसके आसपास मौजूद महिलाओं ने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज करके संदेहियों की जानकारी जुटाने काम शुरु कर दिया है। पुलिस के अनुसार वारदात 45 वर्षीय प्रतिभा मिश्रा के साथ हुई। वह जे-सेक्टर में रहती है। घटना मंगलवार रात लगभग आठ बजे हुई थी। उस वक्त महिला अपने बेटे आदर्श मिश्रा के साथ सब्जी का मोलभाव करते हुए खरीदारी कर रही थी। चेन चोरी होने की जानकारी घर पहुंचकर महिला को लगी। जिस कारण वह गुरुवार सुबह थाने में शिकायत दर्ज कराने पहुंची।

एम्स के शोध में खुलासा

डायपर के गलत इस्तेमाल से बढ़ रहा बच्चों में संक्रमण का खतरा

ग्रामीण क्षेत्रों की माताओं में जानकारी की कमी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

छोटे बच्चों में डायपर का बढ़ता इस्तेमाल अगर सही तरीके से नहीं किया जाए तो यह कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। एम्स भोपाल की एमएससी नर्सिंग (पीडियाट्रिक नर्सिंग) की छात्रा मीना के शोध में सामने आया है कि डायपर के गलत उपयोग से बच्चों में रैश, त्वचा में जलन, फंगल संक्रमण और जीवाणु संक्रमण जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है।

यह अध्ययन भोपाल के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों की 276 माताओं पर किया गया, जिनके 0 से 36 माह तक के बच्चे नियमित रूप से डायपर पहनते हैं। शोध में पाया गया कि डायपर के सही उपयोग और उसके चयन को लेकर शहरी माताओं की जानकारी ग्रामीण माताओं की तुलना में बेहतर है।

हालांकि हाथों की सफाई और इस्तेमाल किए गए डायपर के सुरक्षित निपटान के मामले में दोनों ही समूहों में जागरूकता की कमी देखी गई।शोध के अनुसार समय पर डायपर बदलने, सही आकार का डायपर चुनने और स्वच्छता के नियमों का पालन करने से बच्चों में होने वाले संक्रमण और त्वचा संबंधी समस्याओं से काफी हद तक बचाव किया जा सकता है।

बंद घर में मिले रिटायर्ड दंपती के शव

भोपाल। एक बंद मकान से रेलवे और स्वास्थ्य विभाग से रिटायर्ड दंपती के शव मिले हैं। दो दिन तक घर से बाहर नहीं निकलने और तेज दुर्गंध आने पर किराएदार छात्रों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस दरवाजा तोड़कर अंदर घुसी, जहां दोनों मृत मिले। घटना ऐशबाग थाना क्षेत्र के सुदामा नगर की है। मृतकों की पहचान 64 वर्षीय हेमंत बारीक और उनकी 62 वर्षीय पत्नी शकुंतला बारीक के रूप में हुई है। हेमंत बारीक रेलवे से रिटायर्ड कर्मचारी थे, जबकि शकुंतला बारीक कस्तूरबा अस्पताल से नर्स के पद से सेवानिवृत्त हुई थीं।

मेट्रो एंकर — शंकराचार्य जिनालय में बच्चों और युवाओं को चरित्र निर्माण का दिया संदेश

'संस्कारों से ही सुरक्षित रहेगी देश की संस्कृति'

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शंकराचार्य जिनालय में विराजमान आचार्य विराग विशुद्ध सागर महाराज के शिष्य उपाध्याय विश्रुत सागर महाराज के सान्निध्य में इन दिनों धार्मिक अनुष्ठानों के साथ संस्कृति और संस्कारों को सहेजने का विशेष अभियान चल रहा है। प्रतिदिन मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ का अभिषेक एवं शांतिधारा के साथ श्रद्धालु धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं, वहीं बच्चों और युवाओं के लिए विशेष संस्कार कक्षाएं भी आयोजित की जा रही हैं।

उपाध्याय विश्रुत सागर महाराज ने अपने आशीर्वचन में कहा कि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसकी संस्कृति, भाषा,

साहित्य, साधु-संतों की परंपरा और पुरातात्विक धरोहर में निहित होती है। यदि इन मूल्यों को सुरक्षित रखा जाए, तो समाज की पहचान और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य भी सुरक्षित रहता है। उन्होंने बच्चों और युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने चरित्र को उज्ज्वल बनाएं, अच्छे संस्कारों को अपनाएं और समाज व राष्ट्र के प्रति अपने उत्तरदायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें। प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया कि उपाध्याय श्री के प्रेरक प्रवचनों से प्रभावित होकर अनेक श्रद्धालुओं ने संयमित एवं संस्कारवान जीवन जीने का संकल्प लिया। श्रद्धालुओं ने श्रीफल भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर ब्रह्मचारिणी बहन अलका दीदी सहित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर समिति के अध्यक्ष सुनील जैन 'अरिहंत', महामंत्री सुरेश जैन 'समरधा', रितेश जैन 'नवकार', प्रेम जैन, नितिन जैन, जितेंद्र जैन, उपाध्यक्ष राजकुमार जैन, दीपक जैन, सुभाष जैन, दिनेश जैन, अशोक जैन, प्रफुल्ल जैन, पवन जैन, राजेश जैन, महिला मंडल अध्यक्ष नीता जैन, नीतू जैन, रीना जैन तथा बालिका मंडल और सुबलसागर बालक मंडल के सदस्य सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

लोकतंत्र सेनानियों के लिए मुख्यमंत्री ने की कई बड़ी घोषणाएं

अब मीसाबंदियों के नाम पर होंगे गांवों के पार्क और सड़कें, सर्किट हाउस में दो दिन रुकना होगा मुफ्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लोकतंत्र सेनानी प्रादेशिक सम्मेलन में लोकतंत्र सेनानियों के लिए बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि अब लोकतंत्र सेनानियों के तीर्थाटन के लिए सरकार स्पेशल ट्रेन चलाएगी। साथ ही मीसाबंदियों के नाम पर गांवों में पार्क और मार्ग बनाए जाएंगे। इसके अलावा वे अब सर्किट हाउस में दो दिन मुफ्त में रुक सकेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण है। कांग्रेस ने हमेशा देश की लड़ाई को रोकने का प्रयास किया। हमारे देश के आजाद होने के बाद कई राष्ट्र आजाद हुए। जापान तो द्वितीय विश्वयुद्ध में करीब-करीब खत्म हो गया था, लेकिन वो देश आज कहां हैं और हमारा देश कहां है। इंदिरा गांधी की आज चौथी पीढ़ी मैदान में हैं, लेकिन विचारधारा और नीति में कांग्रेस न तब सुधरी थी, न अब सुधरी है। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान चुनौती भरा माहौल था। घर के मुखिया को उठाकर सीधे जेल में बंद कर देते थे। उसके बाद न वकील, न अपील, न दलील। किसी को कुछ पता नहीं होता था कि क्या होगा। बच्चे स्कूल कैसे जाएंगे, कौन घर देखेगा, कौन फीस भरेगा। मीसाबंदियों से कहा जाता था कि कांग्रेस में शामिल हो जाओ, इंदिरा की जय-जयकार करो तो छोड़ देंगे।

कांग्रेस ने किया संविधान का दुरुपयोग

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा आज हमारा देश प्रगति कर रहा है। जबकि, हमारे साथ ही आजाद हुए पाकिस्तान में लोकतंत्र बेहाल है। आज के समय में लोकतंत्र की मशाल को जलाए रखना, हमारे लिए जरूरी है। कांग्रेसी हाथ में संविधान की किताब लेकर बात करते हैं, लेकिन संविधान का सबसे ज्यादा दुरुपयोग किसी न किया है, तो वो कांग्रेस ही है। उनकी पांच पीढ़ियों ने दुरुपयोग किया है। वो किस मुंह संविधान की बात करते हैं। कांग्रेस ने केवल एक परिवार को आगे बढ़ाया, बाकी लोगों को दबा दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को शासन करने का बहुत लंबा समय मिला, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 10-12 साल का समय मिला। इतने सालों में कितने प्रकार के काम हुए। यह वर्ष संघ का शताब्दी वर्ष है। उन्होंने कहा कि हम सबको इस बात पर गर्व है कि हम राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ जैसे विशाल परिवार का हिस्सा हैं।

सीएम की घोषणाएं

मुख्यमंत्री ने लोकतंत्र सेनानियों के तीर्थाटन के लिए एक स्पेशल ट्रेन की शुरुआत करने की घोषणा की। लोकतंत्र सेनानी प्रदेशभर के रेस्ट हाउस और सर्किट हाउस में दो दिन निःशुल्क ठहर सकेंगे। दिवंगत लोकतंत्र सेनानियों के नाम पर उनके गांव, कस्बों में शिलालेख स्थापित करने के साथ ही स्थानीय पार्क, मार्ग और खेल मैदानों के नाम लोकतंत्र सेनानियों के नाम पर रखे जाएंगे। लोकतंत्र सेनानियों के निःशुल्क इलाज और एयर एंबुलेंस की व्यवस्था की जाएगी। जो लोकतंत्र सेनानी ताम्रपत्र प्राप्त करने से वंचित हैं, बहुत जल्द उन्हें भी ताम्रपत्र दिए जाएंगे। लोकतंत्र सेनानियों को पूरा सम्मान मिले, यह सुनिश्चित करते हुए प्रदेश के कल्याण के लिए उनके सुझावों को भी लागू किया जाएगा।

हज-2027 के आवेदन 11 महीने पहले, उठे सवाल

जमीअत ने की समय-सीमा बदलने की मांग कहा- हज 2026 का सफर अभी पूरा नहीं

भोपाल, दोपहर मेट्रो

हज 2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही इसकी समय-सीमा को लेकर सवाल उठने लगे हैं। जमीअत-ए-उलेमा मध्य प्रदेश के मीडिया प्रभारी हाजी मोहम्मद इमरान हारून ने केंद्र सरकार और हज कमेटी ऑफ इंडिया से आवेदन प्रक्रिया की वर्तमान समय-सीमा पर पुनर्विचार करने की मांग की है। हज कमेटी ऑफ इंडिया के अनुसार हज 2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन 22 जून 2026 से शुरू हो चुके हैं, जो 20 जुलाई 2026 की

रात 11:59 बजे तक स्वीकार किए जाएंगे। हाजी मोहम्मद इमरान हारून ने कहा कि हज-2026 का सफर अभी पूरी तरह समाप्त भी नहीं हुआ है। कई भारतीय हज यात्री अभी स्वदेश लौट रहे हैं। ऐसे में लगभग 11 महीने पहले हज-2027 के आवेदन शुरू करना उचित नहीं है। इतनी जल्दी आवेदन मंगाने से बड़ी राशि आवेदन शुल्क के रूप में एकत्र हो जाएगी, जिसका लंबे समय तक उपयोग किया जा सकेगा। आवेदन प्रक्रिया जनवरी 2027 से शुरू की जानी चाहिए, ताकि हज यात्रियों को भी पर्याप्त समय मिल सके और प्रक्रिया अधिक व्यावहारिक हो।

सेफ क्लिक 2.0

प्रदेश में 50 हजार गांवों तक पहुंचाया जा रहा जागरूकता अभियान

इंदौर। एक समय था जब साइबर अपराध को मुख्यतः शहरों की समस्या माना जाता था। ऑनलाइन बैंकिंग, क्रेडिट कार्ड और इंटरनेट आधारित ठगी के मामले महानगरों और बड़े शहरों से सामने आते थे, लेकिन डिजिटल क्रांति ने अब ग्रामीण भारत की तस्वीर भी बदल दी है। गांवों तक स्मार्टफोन, इंटरनेट और डिजिटल भुगतान की पहुंच बढ़ने के साथ साइबर अपराधियों ने भी अपने निशाने बदल लिए हैं। यही वजह है कि मध्य प्रदेश पुलिस ने अपने राज्यव्यापी साइबर जागरूकता अभियान सेफ क्लिक 2.0 को शहरों से आगे बढ़ाकर 50 हजार से अधिक गांवों तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अभियान के शुभारंभ अवसर पर साइबर खतरों को अदृश्य दुश्मन बताया।

स्वास्थ्य सुविधाओं का मजाक उड़ाती तस्वीर!

घर में हुई डिलीवरी, फिर खाट पर लेटकर पहुंची अस्पताल

अमरवाड़ा। छिंदवाड़ा जिले के अमरवाड़ा विकासखंड के ग्राम हथोड़ा के लोहरी मोहल्ला से स्वास्थ्य व्यवस्था और ग्रामीण बुनियादी सुविधाओं की बदहाल तस्वीर सामने आई है। यहां सड़क और एंबुलेंस की सुविधा नहीं होने के कारण एक गर्भवती महिला को समय पर अस्पताल नहीं पहुंचाया जा सका। मजबूरन महिला की घर पर ही प्रसव कराना पड़ा। इसके बाद गांव के युवाओं ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए जच्चा और नवजात को खाट पर लिटाकर नदी पार कराई और फिर बाइक से अस्पताल पहुंचाया। ग्रामीणों के अनुसार लोहरी मोहल्ले में करीब 20 परिवार रहते हैं, लेकिन आज तक यहां तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क नहीं बन सकी है। मोहल्ले तक न तो एंबुलेंस पहुंच पाती है और न ही कोई अन्य वाहन।

अपराध या पाप

मंदिर केवल पत्थरों से निर्मित भवन नहीं होते। वे विश्वास के जीवंत केंद्र हैं, जहां करोड़ों लोगों की आस्था प्रतिदिन आकार लेती है। कोई अपनी पहली कमाई का हिस्सा अर्पित करता है, कोई संतान की सफलता की कामना लेकर आता है, तो कोई जीवन की विपत्तियों से उबरने के बाद कृतज्ञता स्वरूप दान करता है। इसीलिए मंदिरों के दान-पात्रों में गिरने वाला प्रत्येक सिक्का केवल मुद्रा नहीं होता, वह श्रद्धा का प्रतीक होता है। ऐसे में यदि उस श्रद्धा पर ही हाथ साफ होने लगे, तो प्रश्न केवल चोरी का नहीं, समाज के नैतिक पतन का बन जाता है। हाल के दिनों में देश के कुछ प्रमुख धार्मिक स्थलों में दान और चढ़ावे की पारदर्शिता को लेकर उठे सवालों ने एक बार फिर यह बहस छेड़ दी है कि आस्था की इस अमूल्य संपदा का संरक्षक कौन होना चाहिए। क्या केवल प्रशासनिक ढांचा इस जिम्मेदारी को निभा सकता है, या इसके लिए उस नैतिक चेतना की आवश्यकता है जो दान की एक-एक पाई को ईश्वर की धरोहर समझे? सच तो यह है कि किसी भी धार्मिक संस्था की सबसे बड़ी पूंजी उसका खजाना नहीं, बल्कि जनता का विश्वास होता है। धन की क्षति की भरपाई हो सकती है, लेकिन विश्वास की दरारें पीढ़ियों तक बनी रहती हैं। यही कारण है कि भारतीय परंपरा में मंदिर की संपत्ति को व्यक्तिगत अधिकार नहीं, बल्कि पवित्र न्यास माना गया। उसके संरक्षक स्वयं को स्वामी नहीं, सेवक समझते थे। सेवा का यह भावही प्रबंधन को मयार्दा देता था। आज तकनीक के युग में सीसीटीवी कैमरे, डिजिटल लेखा-जोखा, स्वतंत्र ऑडिट और सार्वजनिक निगरानी जैसे अनेक साधन उपलब्ध हैं। इनसे पारदर्शिता बढ़ाई जा सकती है। किंतु तकनीक केवल व्यवस्था को सुरक्षित कर सकती है, उसे नैतिक नहीं बना सकती। नैतिकता अंतःकरण से आती है, नियम पुस्तिकाओं से नहीं। दरअसल, धार्मिक संस्थानों के सामने सबसे बड़ी चुनौती वित्तीय नहीं, नैतिक है। दान की संपत्ति को यदि लाभ कमाने का अवसर समझा जाएगा, तो कितने ही नियम बना लिए जाएं, खामियां निकल ही आएंगी। लेकिन यदि उसे समाज की अमानत और ईश्वर का प्रसाद माना जाएगा, तो उसके संरक्षण में स्वाभाविक ईमानदारी दिखाई देगी। समय की मांग है कि धार्मिक स्थलों के प्रबंधन में ऐसे लोग आगे आएं जिनके लिए दान की संपत्ति पर अनुचित दृष्टि डालना भी अपराधबोध का कारण बने।

ऑपरेशन म्यूल हंट 2.0, साइबर ठगी के नेटवर्क पर प्रहार और डिजिटल सुरक्षा की नई चुनौती

कांतिलाल मांडोत
स्वतंत्र टिप्पणीकार

डिजिटल युग ने लोगों के जीवन को जितना आसान बनाया है, उतनी ही तेजी से साइबर अपराधों के नए-नए तरीके भी सामने आए हैं। ऑनलाइन बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, मोबाइल वॉलेट और ऑपरेशन म्यूल हंट 2.0 साइबर ठगी के नेटवर्क पर प्रहार और डिजिटल सुरक्षा की नई चुनौती।

डिजिटल युग ने लोगों के जीवन को जितना आसान बनाया है, उतनी ही तेजी से साइबर अपराधों के नए-नए तरीके भी सामने आए हैं। ऑनलाइन बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, मोबाइल वॉलेट और इंटरनेट आधारित वित्तीय सेवाओं के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर ठगों ने भी अपनी गतिविधियों का दायरा बढ़ाया है। इन अपराधों में एक महत्वपूर्ण भूमिका तथाकथित म्यूल अकाउंट या फर्जी बैंक खातों की होती है, जिनका उपयोग अवैध रूप से प्राप्त धनराशि को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने के लिए किया जाता है। इसी समस्या से निपटने के लिए गुजरात पुलिस द्वारा राज्यव्यापी अभियान ऑपरेशन म्यूल हंट 2.0 चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत भरूच साइबर क्राइम पुलिस ने महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है।

भरूच में हुई इस कार्रवाई ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि साइबर अपराध केवल कंप्यूटर या मोबाइल तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनके पीछे संगठित नेटवर्क सक्रिय हैं, जो बैंक खातों, मोबाइल सिम कार्डों और डिजिटल पहचान का दुरुपयोग कर करोड़ों रुपये की ठगी को अंजाम देते हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपियों ने फर्जी पहचान पत्रों और गलत दस्तावेजों की सहायता से विभिन्न बैंकों में खाते खुलवाए थे। इन खातों का उपयोग साइबर ठगी से प्राप्त धन को जमा करने और बाद में अन्य खातों में स्थानांतरित करने के लिए किया जाता था। साइबर अपराध की दुनिया में म्यूल अकाउंट एक महत्वपूर्ण कड़ी माना जाता है। सामान्य भाषा में इसे ऐसे बैंक खाते के रूप में समझा जा सकता है जिसका उपयोग अपराधी अपने अवैध लेन-देन को छिपाने के लिए करते हैं। कई बार अपराधी स्वयं खाते नहीं खोलते, बल्कि दूसरे लोगों को लालच देकर या उनकी जानकारी के बिना उनके नाम पर खाते खुलवा लेते हैं। इसके बाद ठगी से प्राप्त धन इन खातों में जमा किया जाता है और फिर कई चरणों में विभिन्न खातों में भेजकर उसके स्रोत को छिपाने का प्रयास किया जाता है। इससे जांच एजेंसियों के लिए वास्तविक अपराधियों तक पहुंचना कठिन हो जाता है।

भरूच में गिरफ्तार किए गए आरोपियों के संबंध में पुलिस को यह जानकारी मिली है कि उन्होंने पहले से खरीदे गए मोबाइल सिम कार्डों को बैंक खातों से जोड़ रखा था। साइबर ठगी से प्राप्त धनराशि इन खातों में जमा होती थी और फिर उसे विभिन्न माध्यमों से आगे भेज दिया जाता था। इस पूरे नेटवर्क का उद्देश्य अवैध धन के प्रवाह को वैध दिखाना और जांच एजेंसियों को भ्रमित करना था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कई महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य और दस्तावेज बरामद किए हैं, जो इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों तक पहुंचने में मददगार साबित हो सकते हैं।

गुजरात पुलिस का ऑपरेशन म्यूल हंट 2.0 केवल अपराधियों की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह साइबर अपराधों की जड़ों तक पहुंचने का प्रयास भी है। पिछले कुछ वर्षों में साइबर ठगी के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है। फर्जी कॉल, निवेश के नाम पर धोखाधड़ी, ऑनलाइन नौकरी का झांसा, केवाईसी अपडेट करने के नाम पर ठगी, डिजिटल अरेस्ट, फर्जी लोन ऐप और सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाले अपराधों ने आम नागरिकों की सुरक्षा के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। इन अपराधों में प्राप्त धनराशि को छिपाने के लिए म्यूल खातों का उपयोग व्यापक स्तर पर किया जाता है। इसलिए इन खातों के नेटवर्क को तोड़ना साइबर अपराध के खिलाफ लड़ाई का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है।

इस मामले में आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई इस बात का संकेत है कि साइबर अपराधों को लेकर कानून प्रवर्तन एजेंसियां अब अधिक सक्रिय और तकनीकी रूप से सक्षम हो रही हैं। डिजिटल अपराधों की जांच में अब डेटा विश्लेषण, साइबर फॉरेंसिक और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। इससे अपराधियों तक पहुंचने और उनके नेटवर्क का पर्दाफाश करने में सहायता मिल रही है। हालांकि केवल पुलिस कार्रवाई से ही साइबर अपराधों पर पूरी तरह नियंत्रण नहीं पाया जा सकता। इसके लिए आम नागरिकों की जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है। साइबर अपराधी अक्सर लोगों की लापरवाही, जानकारी की कमी और लालच का फायदा उठाते हैं। कई लोग थोड़े से आर्थिक लाभ के लिए अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड या मोबाइल सिम किसी अन्य व्यक्ति को उपयोग करने के लिए दे देते हैं। बाद में यही साधन साइबर अपराधों में इस्तेमाल होने लगते हैं और संबंधित व्यक्ति भी कानूनी परेशानी में फंस सकता है। इसलिए पुलिस ने नागरिकों से विशेष रूप से अपील की है कि वे किसी भी परिस्थिति में अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड, ओटीपी, इंटरनेट बैंकिंग पासवर्ड या मोबाइल सिम किसी अन्य व्यक्ति को न दें।

डिजिटल अर्थव्यवस्था के इस दौर में साइबर सुरक्षा केवल सरकार या पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक की भी जिम्मेदारी है। जागरूकता, सतर्कता और तकनीकी समझ के माध्यम से ही साइबर अपराधों के खतरे को कम किया जा सकता है। भरूच की यह घटना हमें याद दिलाती है कि साइबर अपराधी लगातार नए तरीके खोज रहे हैं, इसलिए समाज को भी अपनी सुरक्षा के प्रति उतना ही सजग और जिम्मेदार होना होगा। तभी डिजिटल भारत का सपना सुरक्षित और मजबूत आधार पर आगे बढ़ सकेगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

बदलते मौसम और जलवायु परिवर्तन के दौर में बढ़ता जोखिम

डॉ. सत्यवान सौरभ
स्वतंत्र टिप्पणीकार

भारत में मानसून केवल एक ऋतु नहीं है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था, कृषि, जल-संसाधनों और जनजीवन की धुरी है। सदियों से मानसून को जीवनदायी माना जाता रहा है क्योंकि इसकी वर्षा खेतों को हरियाली देती है, नदियों और जलाशयों को भरती है तथा भीषण गर्मी से राहत प्रदान करती है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में मानसून का स्वरूप तेजी से बदलता दिखाई दे रहा है। अब यह केवल राहत लेकर नहीं आता, बल्कि अपने साथ अनेक प्रकार के जोखिम भी लेकर आता है। कहीं अचानक बादल फटने की घटनाएँ होती हैं, कहीं तेज़ हवाओं और गरज-चमक वाले तूफानों से जनजीवन प्रभावित होता है, तो कहीं आकाशीय बिजली लोगों की जान ले लेती है। बदलते मौसम और जलवायु परिवर्तन के दौर में मानसून से जुड़े खतरे पहले की तुलना में अधिक गंभीर और व्यापक हो गए हैं। यही कारण है कि मौसम संबंधी जोखिम आज केवल वैज्ञानिक अध्ययन का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और मानवीय चिंता का प्रश्न भी बन चुके हैं। वर्तमान समय में यह स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि मौसम की पारंपरिक प्रकृति में परिवर्तन आ रहा है। पहले जहाँ वर्षा अपेक्षाकृत नियमित और संतुलित होती थी, वहीं अब लंबे समय तक सूखा रहने के बाद अचानक अत्यधिक वर्षा होने लगी है। इसी प्रकार गरज-चमक वाले तूफानों और आकाशीय बिजली की घटनाओं में भी वृद्धि देखी जा रही है। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि पृथ्वी के बढ़ते तापमान ने वायुमंडल की संरचना और व्यवहार को प्रभावित किया है। वातावरण में अधिक ऊर्जा और अधिक नमी उपलब्ध होने के कारण मौसमीय घटनाएँ अधिक तीव्र और अनिश्चित हो रही हैं। इसका सीधा असर मानव जीवन, कृषि, बुनियादी ढाँचे और प्राकृतिक संसाधनों पर पड़ रहा है।

आकाशीय बिजली उन प्राकृतिक घटनाओं में से एक है जो हर वर्ष हजारों लोगों को प्रभावित करती है। भारत में बिजली गिरने से होने वाली मौतों की संख्या कई अन्य प्राकृतिक आपदाओं की तुलना में अधिक रहती है। विशेष चिंता का विषय यह है कि अधिकांश पीड़ित ग्रामीण क्षेत्रों से होते हैं, जहाँ बड़ी संख्या में लोग खुले वातावरण में काम करते हैं। किसान, खेतिहर मजदूर, पशुपालक और निर्माण कार्यों से जुड़े श्रमिक मौसम के इन खतरों के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। जब अचानक बादल घिरते हैं और गरज-चमक शुरू होती है, तब कई लोग खतरे की गंभीरता को नहीं समझ पाते और खुले स्थानों पर ही बने रहते हैं। परिणामस्वरूप आकाशीय बिजली की चपेट में आकर अनेक लोगों की जान चली जाती है। वैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए तो आकाशीय बिजली का निर्माण वायुमंडल में होने वाली जटिल प्रक्रियाओं का परिणाम है। जब धरातल अत्यधिक गर्म हो जाता है और उसके ऊपर की परतों में अपेक्षाकृत ठंडी हवा मौजूद रहती है, तब गर्म और नम हवा तेजी से ऊपर उठने लगती है। यह प्रक्रिया संवहन कहलाती है। ऊपर उठती हुई हवा ठंडी होकर संघनित होती है और बादलों का निर्माण करती है। यदि वातावरण में पर्याप्त नमी और ऊर्जा मौजूद हो, तो ये बादल विशाल क्यूम्यलोनिम्बस बादलों का रूप ले लेते हैं। इन्हीं बादलों में पानी की बूंदों, बर्फ के कणों और ओलों के बीच होने वाली टक्करों से विद्युत आवेश उत्पन्न होते हैं। जब आवेशों का असंतुलन अत्यधिक बढ़ जाता है, तब बिजली चमकती है और धरती तथा बादलों के बीच विद्युत निर्वहन होता है। मानसून के दौरान समुद्रों से आने वाली नम हवाएँ भारतीय उपमहाद्वीप के अधिकांश हिस्सों में पहुँचती हैं। ये हवाएँ बड़ी मात्रा में जलवाष्प लेकर आती हैं, जो बादलों के निर्माण और वर्षा के लिए आवश्यक होती है। लेकिन यही नमी जब अत्यधिक गर्म वातावरण से मिलती है, तो शक्तिशाली तूफानों का निर्माण भी कर सकती है। नमी और तापमान का यह संयोजन मौसमीय अस्थिरता को बढ़ाता है। यही कारण है कि मानसून के महीनों में गरज-चमक और बिजली गिरने की घटनाएँ अधिक होती हैं। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि जैसे-जैसे वैश्विक तापमान बढ़ेगा, वैसे-वैसे वायुमंडल अधिक नमी धारण करेगा और इस प्रकार की घटनाओं की संभावना भी बढ़ती जाएगी।

सरकारों को मौसमीय जोखिम प्रबंधन को विकास योजनाओं का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा। बिजली गिरने की घटनाओं वाले क्षेत्रों की पहचान कर वहाँ विशेष सुरक्षा उपाय लागू किए जा सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित सामुदायिक आश्रय बनाए जा सकते हैं। कृषि कार्यों के लिए मौसम आधारित सलाह प्रणाली को मजबूत किया जा सकता है। स्कूलों और सार्वजनिक संस्थानों में आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण को अनिवार्य बनाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, मोबाइल तकनीक और डिजिटल संचार माध्यमों का उपयोग करके समय पर चेतावनी संदेश भेजे जा सकते हैं। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए दीर्घकालिक प्रयास भी आवश्यक हैं। वनों का संरक्षण, हरित ऊर्जा का विस्तार, कार्बन उत्सर्जन में कमी और टिकाऊ विकास की नीतियाँ भविष्य के जोखिमों को कम करने में मदद कर सकती हैं। यदि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित नहीं किया गया, तो मौसमीय घटनाओं की तीव्रता और आवृत्ति दोनों बढ़ सकती हैं। इसलिए जलवायु परिवर्तन से निपटना केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं, बल्कि मानव सुरक्षा और सतत विकास की भी आवश्यकता है।

बदलते मौसम के इस दौर में यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि प्राकृतिक घटनाएँ अब पहले जैसी नहीं रहीं। मानसून की वर्षा, गरज-चमक, तूफान और आकाशीय बिजली जैसी घटनाएँ अधिक जटिल और जोखिमपूर्ण होती जा रही हैं। इनसे बचाव का सबसे प्रभावी उपाय वैज्ञानिक समझ, समय पर चेतावनी, जन-जागरूकता और सामुदायिक तैयारी है। यदि हम मौसम को केवल भाग्य या प्राकृतिक नियति मानकर छोड़ देंगे, तो जोखिम बढ़ते रहेंगे। लेकिन यदि हम विज्ञान, नीति और सामाजिक सहभागिता को साथ लेकर चलें, तो इन खतरों के प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है। मानसून भारत की जीवनरेखा है और आगे भी रहेगा। आवश्यकता इस बात की है कि हम इसके बदलते स्वरूप को समझें और उसके अनुरूप अपनी नीतियों, व्यवस्थाओं और व्यवहार में परिवर्तन करें। मौसमीय जोखिमों के प्रति सजग समाज ही भविष्य की चुनौतियों का सामना कर सकता है। बदलते मौसम के इस युग में तैयारी ही सुरक्षा है और समझ ही सबसे बड़ा बचाव।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ एंड वेलनेस

रसोई में तेलों को बदलकर करेंगे इस्तेमाल तो सेहत के लिए अच्छा

खाना बनाने के लिए अगर आप सरसों के तेल का ही इस्तेमाल करते हैं, तो यह आदत बंद कर दीजिए। क्योंकि आईसीएमआर ने इस काम को हेल्दी नहीं माना है, उसके मुताबिक आप तेल को बदल-बदलकर इस्तेमाल करें। आईसीएमआर ने तेल का उपयोग करने का सही तरीका बताया है, जो आपको ज्यादा फायदे देगा।

घी महंगा आता है, इसलिए भारत में अधिकतर लोग खाना बनाने के लिए तेल का इस्तेमाल करते हैं। जहां उत्तर भारत में ज्यादातर सरसों का तेल इस्तेमाल होता है तो वहीं दक्षिण भारत में ज्यादातर नारियल तेल का उपयोग होता है। लेकिन आईसीएमआर (इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च) ने सलाह दी है कि किसी को भी खाना बनाने के लिए केवल एक ही तेल का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। उदाहरण के लिए अगर आप उत्तर भारतीय हैं तो बस सरसों के तेल में ही खाना ना बनाएं, दूसरे तेल भी इस्तेमाल करें। एफएसएसएआई के पोस्ट के मुताबिक, खाने लायक हर तेल के अपने खास फायदे होते हैं। इसलिए हेल्दी व क्लीन ईटिंग के लिए तेल का उपयोग बंद करना जरूरी नहीं है, बल्कि इसके लिए आपको कुकिंग की माइंडफुल और बैलेंस्ड चॉइस अपनानी चाहिए। आईसीएमआर-एनआईएन डाइटरी गाइडलाइन फॉर इंडियन्स (2024) कहती है कि कोई अकेला तेल इस्तेमाल करना सेहतमंद नहीं होता। अपना खाना पकाने या खाने के तरीके में छोटे-छोटे बदलाव करने से लाइफस्टाइल हेल्दी बनाने में काफी मदद मिलती है।

हर कुकिंग ऑयल के अपने फायदे: तिल का तेल - इस तेल का उपयोग करने से आपके खाने में जरूरी ओमेगा-6 फैटी एसिड आता है। यह तेल अपने एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटी-इंफ्लामेटरी फायदों के लिए जाना जाता है।

नारियल तेल - इस तेल के अंदर MCTs (मीडियम चेन फैट्स) होते हैं। यह तुरंत एनर्जी देने वाला सोर्स है, साथ में मेटाबॉलिज्म को भी सपोर्ट करता है।

सरसों का तेल - सरसों का तेल ओलिएक एसिड और हेल्दी अनसैचुरेटेड फैट्स से भरपूर होता है। इसमें कोलेस्ट्रॉल घटाने वाले गुण होते हैं और साथ ही एंटी-इंफ्लामेटरी प्रोपर्टीज भी मिलती है।

निशाना

बचना नाग विषैला है..!

घनश्याम मैथिल 'अमृत'

बचना नाग विषैला है
अंग अंग विष फैला है।
सदा ज्ञान की बात करे
अकल नहीं पर धेला है,
जहाँ निकल यह जाता है
वहां पे कीचड़ खेला है,
घूमा करता साथ लिये
नफ़रत वाला थैला है,
शुचिता की उम्मीद नहीं
अंदर - बाहर मैला है,
बहुत सयाना अंदर से
बाहर लगता ग़ैला है,
पानी कैसे ठहरेगा
चिकना देखो घैला है,
माखन क्यों कर चाहेगा
आखिर यह गुबरैला है।

इनोवेशन

सीनियर सिटीजंस के लिए केरल में नई पहल, सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में एक मिसाल

भारत की आजादी के बाद केरल राज्य में एक बिल्कुल नया काम हुआ है, वहां बुजुर्गों की केयर और सम्मान के लिए एक अलग से विभाग खोल दिया गया है, जो हर तरह से उनका खयाल रखने की कोशिश करेगा। वैसे केरल देश का ऐसा राज्य है जहां बुजुर्गों की आबादी तेजी से बढ़ रही है।

जो घर कभी बच्चों की चहचहाहटों से भरा होता था, वहां अब अक्सर खामोशी रहती हैं। घर में दो बुजुर्ग माता - पिता बैठे रहते हैं। बच्चे बहुत कम मिलने आते हैं। आसपास मदद करने वाले रिश्तेदार भी नहीं। हालात दिन-ब-दिन मुश्किल होते जा रहे हैं। केरल देश में सबसे तेजी से बूढ़ा होता हुआ राज्य है। वहां की नई यूडीएफ सरकार ने एक बिल्कुल नया विभाग शुरू किया है - सीनियर सिटीजन वेलफेयर डिपार्टमेंट। साथ ही जूडिशियल स्टेट एल्डरली कमीशन, जो वृद्धों के अधिकारों की रक्षा करेगा।

यह भारत का पहला राज्य है, जिसने वृद्धों का खयाल रखने के लिए ऐसा कदम उठाया है, जो अभी तक देश के दूसरे राज्यों में कहीं नहीं है। कुल मिलाकर ये उनके लिए चल रही सारी योजनाओं को साथ लाएगा। उन्हें सामाजिक सुरक्षा और सम्मान देने के साथ देखभाल और सुविधाओं का ध्यान रखेगा। केरल को 'एज फ्रेंडली' राज्य बनाने की दिशा में ये बड़ा कदम बाकी भारत के लिए मिसाल बन सकता है।

तेजी से बूढ़ी हो रही केरल की आबादी

भारत के सबसे तेजी से वृद्ध आबादी वाले राज्य केरल में बूढ़ों की दुर्दशा तेजी से आम होती जा रही है। बड़ी संख्या में बुजुर्ग लोग अकेले रह रहे हैं, युवा बच्चे नौकरी के लिए बाहर चले गए हैं। नये विभाग का उद्देश्य बढ़ती उम्र की आबादी की चुनौतियों का समाधान करना है। केरल में बढ़ती उम्र के साथ अकेलापन और सामाजिक अलगाव प्रमुख चुनौतियों में एक बन गया है।

पीढ़ियों से भारत में बुजुर्ग लोग अपने बच्चों के साथ रहते थे। देखभाल के लिए उन पर निर्भर रहते थे। लेकिन काम और शिक्षा के लिए घर से निकल जाने ने इस परंपरा को धीरे-धीरे कमजोर कर दिया है। वहां सरकार इस समस्या का समाधान करने की कोशिश कर रही है।

वायरल कंटेंट

इस जुगाड़ के आगे मशीनें भी फेल, इंटरनेट पर छाया मजदूरों का ये गजब 'टीमवर्क'

सोशल मीडिया पर मजदूरों की कड़ी मेहनत और जबरदस्त कॉर्डिनेशन का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में मजदूर बिना किसी मशीन के सिर्फ अपने अनुभव और शानदार टीमवर्क के दम पर लोहे की भारी-भरकम सरियों को तेजी से एक जगह से दूसरी जगह पहुंचा रहे हैं। उनकी यह जादुई रफ्तार देखकर लोग भी हैरान रह गए।

सोशल मीडिया पर आए दिन लाखों वीडियो वायरल होते हैं, कोई अपने टैलेंट से लोगों का ध्यान खींच लेते हैं, तो कोई अपनी मेहनत और काम करने की लगन से लोगों का दिल जीत लेते हैं। ऐसा ही एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें मजदूरों की कड़ी मेहनत और टीमवर्क देखने को मिल रही है। वीडियो देखकर लोग उनकी रफ्तार और आपसी समझ की भी जमकर तारीफ कर रहे हैं और यही वजह है कि यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है।

वायरल वीडिया में देखा जा सकता है कि एक ट्रक के ऊपर और नीचे बड़ी संख्या में लोग काम कर रहे हैं। वीडियो में कई मजदूर एक कतार में खड़े होकर लोहे की लंबी सरियों को एक-दूसरे तक पहुंचाते नजर आते हैं। सभी बिना रुके और एक ही रफ्तार में सरियों को आगे बढ़ाते हैं। देखते ही देखते इस तरह तेजी रफ्तार में आसानी से भारी सामान एक जगह से दूसरी जगह पहुंच जाता है। आसपास मौजूद लोग भी मजदूरों का शानदार तालमेल और रफ्तार देखकर हैरान रह जाते हैं। खास बात यह है कि उनके बीच जरा भी अफरा-तफरी और जल्दबाजी देखने को नहीं मिलती, वे पूरे तालमेल और टीम वर्क के साथ यह काम करते हैं, जिससे उनका काम और भी ज्यादा आसान हो जाता है।

आज के बदलते तकनीक के दौर में जहां ऐसे भारी-भरकम काम ज्यादातर मशीनों की मदद से किए जाते हैं, जिससे काम आसानी से बिना किसी रुकावट के जल्दी से हो जाए, वहीं इस वीडियो में मजदूर बिना किसी मशीन के सिर्फ अपनी मेहनत, अनुभव और टीमवर्क से यह काम करते नजर आ रहे हैं, जो लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करता है। यही वजह है कि यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है।

प्रेमी जोड़े के कार में खून से लथपथ मिले शवों का मामला: हिंग्लिश सुसाइड नोट से बढ़ा शक, अशोकनगर में उलझी पुलिस

किसी और ने किया ऋतिक- मुस्कान का मर्डर, ऑनर किलिंग की आशंका!

कार, कुल्हाड़ी-कट्टा सहित 50 से अधिक साक्ष्यों से एकत्रित किए फिंगर प्रिंट

अशोकनगर। दोपहर मेट्रो

अशोकनगर में प्रेमी जोड़े के कार में खून से लथपथ मिले शव के सनसनीखेज मामले में रहस्य गहराता जा रहा है। प्रथम दृष्टया पुलिस इसे हत्या के बाद आत्महत्या मान रही है, लेकिन घटनास्थल के हालात, बर्बरता का स्तर और हिंग्लिश में लिखा सुसाइड नोट किसी डबल मर्डर की खौफनाक साजिश की ओर भी इशारा कर रहे हैं। चर्चा है कि यह ऑनर किलिंग का मामला भी हो सकता है। ऐसे में इस हाई-प्रोफाइल मामले को सुलझाने के लिए अब पुलिस अशोकनगर पुलिस की एसआईटी हर संभावित पहलू की गहराई से पड़ताल कर रही है। महाना रोड पर बुधवार- गुरुवार रात 3 बजे पुलिस को अशोकनगर शहर के 26 वर्षीय ऋतिक और 24 वर्षीय मुस्कान जैन के खून से लथपथ शव मिले थे। दोनों को एक दूसरे से प्रेम था लेकिन कुछ दिनों से अनबन भी चल रही थी। जिस हाल में ऋतिक और मुस्कान के शव मिले हैं, उससे हर कोई उलझन में है। यह केवल एक सामान्य वारदात नहीं लग रही, बल्कि हत्या में भारी आक्रोश और बर्बरता साफ नजर आ रही है।

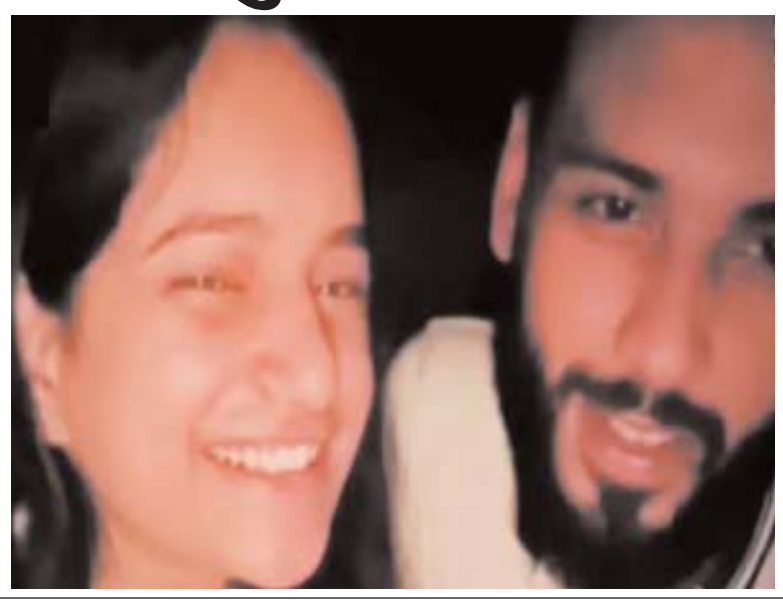

क्या ऋतिक ने अकेले ही पूरी वारदात को अंजाम दिया?

मुस्कान की हत्या में कुल्हाड़ी और कटर का इस्तेमाल हुआ है। वहीं, ऋतिक सोनी के माथे पर 4 एमएम की गोली फंसी मिली है। इसके साथ ही दोनों के शव कीचड़ से सने मिले। इस थ्योरी पर सवाल खड़े हो रहे हैं कि क्या ऋतिक ने अकेले ही इस पूरी वारदात को अंजाम दिया?

हत्यारे के मन में बेहद गुस्सा और नफरत

पुलिस की अभी तक की जांच में सामने आया है कि मुस्कान के सिर के ऊपरी हिस्से पर कुल्हाड़ी के बट से जोरदार वार किया गया था। इतना ही नहीं, उसका गला भी रेता गया है और उंगलियों को भी काटने का प्रयास किए जाने की चर्चा है। इससे मुस्कान की उंगलियों पर चोट के निशान पाए गए हैं। उसे जिस बेरहमी से मारा गया, उससे साफ जाहिर होता है कि हत्यारे के मन में उसके प्रति बेहद गुस्सा और नफरत भरी थी।

पुलिस कर रही सभी पहलुओं की जांच

पुलिस भी सभी पहलुओं को ध्यान में रखते मामले की जांच कर रही है। जांच अधिकारियों के अनुसार इसमें ऑनर किलिंग का एंगल भी शामिल है। हालांकि इस संबंध में पुलिस कुछ भी बोलने से इंकार कर रही है। एसपी राजीवकुमार मिश्रा के मुताबिक मामले की एसआईटी जांच कर रही है। सभी तथ्यों पर बारीकी से नजर रखी जा रही है।

न्यूज विंडो

29 जून को 108 कलशों से शुरू होगी भगवान जगन्नाथ की ज्वर लीला

नर्मदापुरम। भगवान जगन्नाथ की वार्षिक रथयात्रा महोत्सव की तैयारियां जिलेभर में शुरू हो गई हैं। 29 जून को स्नान पूर्णिमा के अवसर पर सेठानी घाट स्थित जगदीश मंदिर, इस्कॉन मंदिर और डोंगरवाड़ा स्थित जगन्नाथ मंदिर में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा का 108 कलशों से पंचामृत एवं पवित्र जल से महास्नान कराया जाएगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार महास्नान के बाद भगवान को ज्वर हो जाता है, जिसके चलते वे 15 दिनों तक एकांतवास में रहेंगे और इस दौरान भक्तों को दर्शन नहीं होंगे। मंदिरों के पुजारियों के अनुसार 30 जून से 15 जुलाई तक भगवान विश्राम करेंगे। इस अवधि में भगवान का आयुर्वेदिक औषधियों से उपचार किया जाएगा तथा उनके आहार-विहार में भी परिवर्तन रहेगा। 15 जुलाई को नेत्रोत्सव के साथ भगवान के दर्शन पुनः शुरू होंगे। इसके अगले दिन 16 जुलाई को भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ भव्य रथयात्रा में नगर भ्रमण पर निकलेंगे। रथयात्रा को लेकर मंदिर समितियों ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इस बार 42 फीट ऊंचे रथ को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है। भगवान को 5000 लड्डुओं का भोग लगाया जाएगा। नर्मदापुरम की विशेष परंपरा के अनुसार रथयात्रा के दौरान जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक स्वयं रथ खींचते हैं। यह परंपरा वर्षों से निभाई जा रही है। सेठानी घाट स्थित जगदीश मंदिर में इन दिनों भजन-कीर्तन, विशेष पूजा और औषधियां तैयार करने का कार्य चल रहा है। मंदिर के पुजारी विजय शंकर त्रिपाठी ने बताया कि स्नान पूर्णिमा के बाद भगवान विश्राम गृह में विराजमान रहेंगे और 16 जुलाई को रथयात्रा निकाली जाएगी।

अंतरराज्यीय गिरोह का सरगना कुलदीप डोडवे गिरफ्तार

धार। स्थानीय पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए अंतरराज्यीय गिरोह के सरगना और 10 हजार रुपये के इनामी बदमाश कुलदीप उर्फ गोलू डोडवे (24) को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी लंबे समय से कानून की आंखों में धूल झोंककर फरार चल रहा था और उसके खिलाफ विभिन्न न्यायालयों से नौ गंभीर मामलों में स्थायी वारंट जारी थे। थाना प्रभारी संजय रावत ने बताया कि पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा के मार्गदर्शन में फरार और इनामी बदमाशों की धरपकड़ के लिए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस को मुखबिर से सटीक सूचना मिली कि आरोपी कुलदीप ग्राम गेट्टा में छिपा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर दबिश दी।

पुलिस को आते देख आरोपी खेतों के रास्ते पास की पहाड़ियों की ओर भागने लगा। हालांकि, मुस्तैद पुलिस टीम ने सूझबूझ से घेराबंदी करते हुए उसे मौके पर ही दबोच लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपनी पहचान ग्राम गेट्टा निवासी कुलदीप उर्फ गोलू पिता राधेश्याम डोडवे के रूप में बताई है। महाराष्ट्र प्रदेश के आरोपी रायगढ़ जिले के अलीबाग में दर्ज संपत्ति संबंधी एक गंभीर मामले में भी वांछित था। थाना प्रभारी के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ चोरी, नकबजनी, अवैध शराब की तस्करी और आर्म्स एक्ट (अवैध हथियार रखने) जैसे कई संगीन प्रकरण दर्ज हैं।

खेल सामग्री खरीदी में नियमों की अनदेखी, भुगतान पर लगी रोक

नर्मदापुरम। शासकीय गृह विज्ञान एवं डोलरिया कॉलेज के लिए खेल सामग्री खरीदी में सरकारी खरीद प्रक्रिया की अनदेखी का मामला सामने आया है। प्रशासनिक जांच में पुष्टि हुई है कि खेल सामग्री कॉलेज पहुंचने और उसके भौतिक सत्यापन से पहले ही करीब 9.20 लाख रुपए के बिल भुगतान के लिए ट्रेजरी भेज दिए गए। इतना ही नहीं, सामग्री प्राप्त होने से पहले ही स्टॉक रजिस्टर में उसकी प्रविष्टि भी दर्ज कर दी गई थी। मामला उजागर होने के बाद संबंधित फर्म के भुगतान पर तत्काल रोक लगा दी गई है। विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा की शिकायत के बाद कलेक्टर के निर्देश पर गठित जांच दल ने कॉलेज पहुंचकर दस्तावेजों की जांच की। जांच में पाया गया कि सामग्री की उपलब्धता, गुणवत्ता और मात्रा का सत्यापन किए बिना भुगतान प्रक्रिया शुरू कर दी गई, जो सरकारी वित्तीय नियमों और खरीद प्रक्रिया का उल्लंघन है। जांच रिपोर्ट सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से कलेक्टर को सौंप दी गई है। सिटी मजिस्ट्रेट दैवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि नियमानुसार पहले सामग्री प्राप्त कर उसका भौतिक सत्यापन किया जाता है, फिर स्टॉक पंजी में प्रविष्टि के बाद भुगतान के लिए बिल ट्रेजरी भेजे जाते हैं। इस मामले में पूरी प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। अब कलेक्टर रिपोर्ट का परीक्षण कर जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई करेंगे। विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने बताया कि निरीक्षण के दौरान कॉलेज में खेल सामग्री उपलब्ध नहीं थी, जबकि स्टॉक रजिस्टर में उसकी प्राप्ति दर्ज मिली। प्रथम दृष्टया मामला गंभीर होने पर इसकी जानकारी कलेक्टर और कमिश्नर को दी गई, जिसके बाद जांच कराई गई। वहीं, कॉलेज की प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन ने आर्थिक अनियमितता से इनकार करते हुए कहा कि खेल सामग्री वैष्णवी इंटरप्राइजेस से मंगाई गई थी। लगातार तीन दिन के शासकीय अवकाश के कारण भुगतान प्रक्रिया पहले शुरू की गई थी और चेक कॉलेज में ही रखा गया था। सामग्री लेकर आ रहा वाहन रास्ते में खराब हो जाने से आपूर्ति में देरी हुई और गुरुवार शाम सामग्री कॉलेज पहुंची।

प्रशासन ने जेसीबी से हटाया अतिक्रमण, अवैध मिट्टी और रेत जब्त

तहसीलदार को गोली मारने की धमकी देना पड़ा महंगा, शिवपुरी में माफिया के घर पहुंचा पीला पंजा

शिवपुरी। दोपहर मेट्रो

जिले के बदरवास में तहसीलदार को गोली मारने की धमकी देना आरोपियों को महंगा पड़ गया। घटना के दूसरे दिन प्रशासन की टीम ने बड़ा एक्शन लिया और जेसीबी लेकर आरोपियों के घर पर कार्रवाई करने पहुंची। प्रशासन की टीम ने आरोपियों के घर के आगे मौजूद अतिक्रमण हटाने से लेकर 6 हजार घनमीटर मिट्टी व रेत को जब्त करने की कार्रवाई की है। इधर पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और एसडीएम ने आरोपी पर मौजूद शस्त्र लाइसेंस को निरस्त करने का प्रस्ताव कलेक्टर को भेज दिया है। तहसीलदार सचिन भार्गव सड़घाट क्षेत्र में मिट्टी के अवैध उत्खनन की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे थे। वहां जयमंगल यादव, मुकुल यादव और लखन यादव ने प्रशासन की कार्रवाई का विरोध करते हुए शासकीय कार्य में बाधा डाली और तहसीलदार के साथ अभद्रता करते हुए उन्हें गोली मारने की धमकी दी थी। घटना के बाद तहसीलदार ने आरोपियों पर रात में प्रकरण दर्ज करा दिया था और गत दिवस सुबह प्रशासन ने बड़ा एक्शन लिया।

आरोपी के घर के आगे से अतिक्रमण हटाया

कोलारस एसडीएम अनूप श्रीवास्तव, खनिज विभाग और स्थानीय प्रशासन की संयुक्त टीम ने आरोपी के घर के आगे मौजूद अतिक्रमण का सीमांकन कराया। जांच में लगभग आधा बीघा शासकीय भूमि पर अतिक्रमण पाया गया, जिसे जेसीबी की मदद से हटाया गया। कार्रवाई के दौरान तहसीलदार सचिन भार्गव, थाना प्रभारी नवीन यादव सहित प्रशासनिक अमला मौजूद रहा। प्रशासन ने मौके से लगभग 6000 घन मीटर मिट्टी एवं 4000 घन मीटर रेत भी जब्त कर प्रकरण तैयार करते हुए आगे की कार्रवाई के लिए खनिज विभाग को भेज दिया है।

शस्त्र लाइसेंस निरस्त करने की अनुशंसा

इतना ही नहीं तहसीलदार सचिन भार्गव ने आरोपियों द्वारा गोली मारने की धमकी दिए जाने के मुख्य आरोपी जयमंगल यादव के शस्त्र लाइसेंस को निरस्त करने के लिए जिला कलेक्टर को पत्र भेजा है। साथ ही पुलिस ने तीनो आरोपी जयमंगल यादव, मुकुल यादव और लखन यादव को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

तहसीलदार को दी थी गोली मारने की धमकी

बता दें कि गुरुवार को बदरवास तहसीलदार सचिन भार्गव को सूचना मिली थी कि सड़घाट में सिंध नदी के पास सरकारी जमीन पर अवैध मिट्टी उत्खनन किया जा रहा है। तहसीलदार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे तो देखा कि अवैध उत्खनन कर रास्ता बनाया जा रहा है। दो ट्रैक्टर और हाइड्रा के जरिए मिट्टी निकाली जा रही थी। जब तहसीलदार ने टीम को अवैध उत्खनन कर रहे ट्रैक्टर और हाइड्रा को जब्त करने के लिए कहा तो आरोपियों ने विरोध करना शुरू कर दिया और हंगामा करने लगे। इस दौरान आरोपी जयमंगल यादव ने तहसीलदार को धमकाते हुए कहा था- सर रुक जाओ वरना गोली मार दूंगा और जेल चला जाऊंगा। इतना ही नहीं इसके बाद गुस्से में जयमंगल यादव ने अपने बेटे से कहा- जा घर से बंदूक लेकर आ, आज इन सब को गोली मार दूंगा।

आबकारी विभाग की भूमिका पर उठे सवाल

अनूपपुर जिले में शराब दुकानों पर ओवररेटिंग और मिलावट के आरोप

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

जिले में शराब बिक्री व्यवस्था को लेकर गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। स्थानीय उपभोक्ताओं और सामाजिक संगठनों का कहना है कि जिले की कई शराब दुकानों पर निर्धारित MRP से अधिक कीमत वसूली, बिलिंग में गड़बड़ी और शराब की गुणवत्ता को लेकर संदेह जैसी समस्याएँ लगातार बढ़ रही हैं। इन आरोपों के बाद आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिले की कई देशी और विदेशी शराब दुकानों पर ग्राहकों से तय कीमत से अधिक पैसे वसूले जा रहे हैं। कई बार उपभोक्ताओं को बिल तक नहीं दिया जाता, और यदि दिया भी जाता है तो उसमें वास्तविक MRP से अलग रेट दर्शाए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों से यह शिकायतें लगातार मिल रही हैं कि शराब दुकानों में खुलेआम ओवररेटिंग (अधिक मूल्य वसूली) की जा रही है, जिससे जनता में नाराजगी बढ़ रही है। कुछ उपभोक्ताओं ने यह भी आरोप लगाया है कि शिकायत करने पर भी कोई तत्काल कार्रवाई नहीं होती। सबसे गंभीर आरोप शराब की गुणवत्ता को लेकर लगाए जा रहे हैं। कुछ लोगों का कहना है कि बाजार में मिलने वाली कुछ शराब की बोतलों में मिलावट या मिश्रण (मिक्सिंग) की आशंका है, जिससे स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। हालांकि इन आरोपों की अभी तक किसी स्वतंत्र लैब रिपोर्ट से पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन लगातार उठ रही शिकायतों ने प्रशासन और आबकारी विभाग की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि यदि समय रहते जांच नहीं की गई तो यह मामला बड़े स्वास्थ्य संकट का रूप ले सकता है। आबकारी विभाग पर यह आरोप लग रहे हैं कि दुकानों पर नियमित निरीक्षण और निगरानी के बावजूद अनियमितताओं पर प्रभावी नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। कुछ लोगों का यह भी कहना है कि विभागीय कर्मचारियों की मिलीभगत के कारण ही ओवररेटिंग और अन्य गड़बड़ियों पर रोक नहीं लग पा रही है। हालांकि विभागीय सूत्रों का दावा है कि समय-समय पर जांच और कार्रवाई की जाती है, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति अलग दिखाई देती है। कई उपभोक्ताओं का कहना है कि शिकायत करने के बाद भी ठोस कदम नहीं उठाए जाते, जिससे लोगों का विश्वास कमजोर हो रहा है।

बिजुरी के वार्ड क्रमांक 7 का मामला

विकास कार्य वन विभाग की अनुमति के इंतजार में, आदिवासी परिवार परेशान

बिजुरी। दोपहर मेट्रो

नगर पालिका परिषद बिजुरी के वार्ड क्रमांक 7 में निवासरत आदिवासी परिवार आज भी सड़क और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्षों से क्षेत्र में विकास कार्यों की मांग की जा रही है, लेकिन वन भूमि से जुड़े विवाद और अनुमति संबंधी प्रक्रियाओं के कारण समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। नगर पालिका बिजुरी के मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) के अनुसार वार्ड में सड़क एवं अन्य आवश्यक विकास कार्यों की तैयारी पूरी कर ली गई है, लेकिन संबंधित क्षेत्र वन भूमि होने के कारण वन विभाग की अनुमति नहीं मिल पाने से कार्य प्रारंभ नहीं हो पा रहे हैं। प्रशासनिक स्तर पर अनुमति प्राप्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का सवाल है कि जब सरकार आदिवासी क्षेत्रों के विकास और मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है, तब वार्ड क्रमांक 7 के निवासियों को कब तक सड़क और स्वच्छ पेयजल जैसी आवश्यक सुविधाओं के लिए इंतजार करना पड़ेगा। बरसात के मौसम में क्षेत्र की स्थिति और अधिक खराब हो जाती है, जिससे आवागमन एवं दैनिक जीवन प्रभावित होता है।

नागरिकों का कहना है कि यदि नगर पालिका और वन विभाग के बीच समन्वय स्थापित कर शीघ्र अनुमति दिलाई जाए तो लंबे समय से लंबित विकास कार्य शुरू हो सकते हैं। अब क्षेत्रवासियों की निगाहें प्रशासन और जनप्रतिनिधियों पर टिकी हैं कि आखिर वार्ड क्रमांक 7 के आदिवासी परिवारों तक विकास की किरण कब पहुंचेगी।

मेट्रो एंकर — बिहार लोक सेवा आयोग में रूरल डेवलपमेंट ऑफिसर बनी सिंगाखेड़ी की बेटी का स्वागत

बेटियों को अवसर दीजिए, मेहनत कभी व्यर्थ नहीं जाती: रानू रघुवंशी

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

लघु-सीमांत किसान परिवार की बेटी, सीमित संसाधन, आर्थिक कठिनाइयां और लगातार आठ असफल प्रयास... लेकिन हौसले कभी नहीं डगमगाए। आखिरकार इसी अटूट संकल्प ने सिंगाखेड़ी की बेटी रानू रघुवंशी को बिहार लोक सेवा आयोग में रूरल डेवलपमेंट ऑफिसर बना दिया। शुक्रवार को पहली बार नगर आगमन पर उनका ऐसा ऐतिहासिक स्वागत हुआ, जिसने पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित कर दिया।

बिलासपुर एक्सप्रेस से गंजबासौदा रेलवे स्टेशन पहुंचते ही समाजजनों ने पुष्पवर्षा, माल्यार्पण और जयघोष के साथ उनका अभिनंदन किया। स्टेशन से निकली भव्य स्वागत यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों और जय स्तंभ चौक से होते हुए बरेठ रोड स्थित रघुवंशी धर्मशाला पहुंची। जगह-जगह

नागरिकों ने फूल बरसाकर और आतिशबाजी कर उनका स्वागत किया। सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए भावुक रानू रघुवंशी ने कहा, मैं किसान परिवार की बेटी हूं। संसाधन कम थे, लेकिन सपने बड़े थे। आठ बार असफल होने के बाद भी मैंने हार नहीं मानी। मैं समाज से कहना चाहती हूं कि बेटियों को बोझ नहीं, अवसर समझिए। मेहनत कभी व्यर्थ नहीं जाती। यदि परिवार विश्वास करे और साथ दे तो गांव की बेटियां भी देश की सबसे कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल कर सकती हैं। उनके इन शब्दों ने समारोह में मौजूद लोगों को भावुक कर दिया। रघुवंशी धर्मशाला में आयोजित सम्मान समारोह में विधायक हरिसिंह रघुवंशी, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि देवेंद्र सिंह रघुवंशी, जनपद सदस्य ज्योति कपिल रघुवंशी, रघुवंश परमार्थ सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष रामकृष्ण रघुवंशी, जनपद सदस्य लखन रघुवंशी, धर्मेंद्र रघुवंशी, तहसील अध्यक्ष देवेंद्र सिंह रघुवंशी सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने शॉल-श्रीफल, सम्मान-पत्र और पुष्पमालाओं से उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम का संचालन पत्रकार देवेंद्र रघुवंशी ने तथा आभार रोहित रघुवंशी ने व्यक्त किया।

हजरत हुसैन की याद में निकाले ताजिया, कर्बला में हुए ठंडे

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

शाम 5.30 बजे नगर में बैंडबाजों, अखाड़ा के कलाकारों द्वारा हैरत अंगेज करतब करते हुए नगर में यादें हुसैन शहीदाने कर्बला वालो की याद में बड़ी ही धूम धाम से मोहर्रम पर्व का त्यौहार नगर सभी समुदाय के लोगों ने एक साथ मिलकर मनाया जिसमे मोहर्रम की 9 तारीख को रात में ताजियों के साथ सवारियों द्वारा शहर गस्त कराया गया था। साथ ही 10 दिन तक यादें हुसैन में मजलिसे पाक का प्रोग्राम भी रखा गया और मोहर्रम की 10 तारीख को नगर में झरौली, तेंदूखेड़ा, पांजी सभी जगह के ताजिया इकट्ठे हुए और बस स्टैंड बाजार गल्ला मंडी से होते सदर साब के घर से होते हुए कर्बला के लिए नरगुंवा तालाब ले जाया गया। साथ ही पुलिस के द्वारा बडे पैमानों पर सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। अब्दुल समी खान ने बताया कि मुहर्रममुल हराम हजरत इमाम हुसैन रदि अल्लाहो अन्हों ने इस्लाम के खातिर तमाम खानदान की कुर्बानी दी थी। अपने नानाजान की उम्मत के खातिर अपना सर कटवा दिया मगर दीन ए इस्लाम नहीं छोड़ा। उन्हीं की शहादत में मुहर्रममुल हराम मनाया जाता है। इस दौरान जिसमें शामिल पेस इमाम जब हाफिज खालिद रजा जामा मस्जिद सदर अब्दुल शमी नत्थू भाईजान नायब सदर डॉक्टर अजीज खान रईस खान जुम्मन इदरीस नबावशाह नसीम शाह शेख शहजाद कल्लू भाई जान मुश्तक पप्पू एवं सभी मुस्लिम समुदाय शामिल रहा।

अकीदत और शांति के साथ मनाया मोहर्रम

अनूपपुर। मोहर्रम के मौके पर आज जहां सम्पूर्ण देश-भर में पारंपरिक अकीदत और शांति के साथ मोहर्रम मनाया गया। वहीं नगर डोला में भी वार्ड 17 स्थित मस्जिद के समीप निर्मित किए ताजिया के नगर भ्रमण पश्चात कर्बला तक जूलूस निकाला गया। इस अवसर नगर परिषद डोला की अध्यक्षा रीनू सुरेश कोल, उपाध्यक्ष रविशंकर तिवारी एवं समस्त परिषद पदाधिकारीगण भी शामिल हुए साथ ही निकाय के अधिकारी कर्मचारी गण व्यवस्था में तैनात रहे। मिले जानकारी अनुसार इस दिन हजरत मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की कर्बला के मैदान में दी गई सर्वोच्च शहादत को याद किया गया। जिले में मातमी जुलूस विभिन्न हिस्सों में आज निकाले गए। ताजिया जुलूस अकीदतमंदों ने बांस, कतरनों और रंग-बिरंगे कागजों से बने खूबसूरत ताजिए और अलम (परचम) के साथ जुलूस निकाला। मातम और नौहाख्वानी जुलूस में शामिल लोग या हुसैन, हम न भूले और या अली के नारों के साथ इमाम हुसैन की शहादत को याद कर रहे थे।

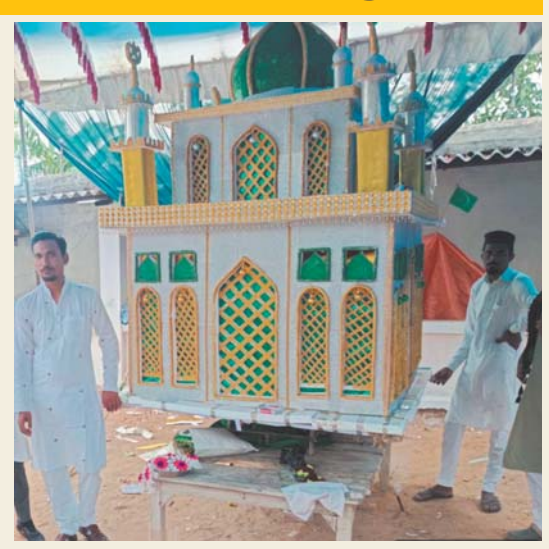

न्यूज विंडो

बदल रही शिक्षा की तस्वीर, पचामा के स्कूल ने रचा सफलता का नया अध्याय

नरसिंहपुर। सीमित संसाधनों एवं ग्रामीण परिवेश के बावजूद शासकीय हाई स्कूल पचामा और शासकीय नवीन माध्यमिक शाला पचामा शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर नवाचार करते हुए सफलता के नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए शिक्षकों द्वारा किए जा रहे समर्पित प्रयासों का सकारात्मक परिणाम लगातार सामने आ रहा है। शासकीय हाई स्कूल पचामा के गणित शिक्षक वीरेंद्र वर्मा ने सत्र प्रारंभ होते हीकक्षा दसवीं के 15 इक्छुक विद्यार्थियों के लिए विशेष अध्ययन सत्र संचालित किए। मई माह में प्रतिदिन प्रातः 6 बजे से डिजिटल बोर्ड के माध्यम से अतिरिक्त कक्षाएं लेकर उन्होंने गणित विषय को सरल एवं रुचिकर बनाया तथा प्रारंभिक चरण में ही गणित विषय का लगभग पूरा पाठ्यक्रम पूर्ण करा दिया। उनके इस अनुकरणीय नवाचार एवं समर्पण की सराहना करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा ने उनका सम्मान एवं उत्साहवर्धन किया। इसी प्रकार शासकीय नवीन माध्यमिक शाला पचामा के समर्पित शिक्षक बुलंदसिंह कुशवाहा ने मई माह में प्रतिदिन प्रातः 7 बजे से डिजिटल पैनल के माध्यम से कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं एवं एनएमएमएस परीक्षा की विशेष तैयारी कराई। उनके मार्गदर्शन में विद्यालय से प्रतिवर्ष विद्यार्थी एनएमएमएस परीक्षा में चयनित हो रहे हैं। मोगली महोत्सव, मॉडल प्रतियोगिता एवं अन्य गतिविधियों में भी विद्यालय के विद्यार्थियों ने संभाग स्तर तक अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है।

सुरखी में जुआ फड़ पर छापा 21.24 लाख का मशरूका जब्त

सागर। जिले में अपराध एवं अवैधानिक गतिविधियों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते पुलिस प्रभावी कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बीना जयवीर सिंह भदौरिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सोलंकी एवं अनुविभागीय अधिकारी रहली प्रकाश मिश्रा के मार्गदर्शन में सागर पुलिस एवं थाना सुरखी पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से बड़ी रेड कार्रवाई करते हुए जुआ खेलने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया गया। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि थाना सुरखी क्षेत्र अंतर्गत अगरा रोड स्थित गौशाला के पीछे कुछ व्यक्ति बड़े पैमाने पर हार-जीत का दांव लगाकर ताश के पत्तों से जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही सागर पुलिस एवं थाना सुरखी पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से संयुक्त दबिश दी। पुलिस को देखकर कुछ लोग भागने का प्रयास करने लगे, किन्तु पुलिस ने घेराबंदी कर मौके से कार्रवाई करते हुए जुआ फड़ का भंडाफोड़ किया। कार्रवाई के दौरान 9 जुआरियों के विरुद्ध जुआ अधिनियम की धारा 13 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की गई, जबकि अंकुश चौहान बरकोटी मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस ने जुआ फड़ से 71,000 रूपए नकद, 52 ताश के पत्ते, 9 टच मोबाइल फोन (कीमत लगभग 3.53 लाख, एक आर्टिका कार कीमत लगभग 9 लाख तथा बिना नंबर की स्विफ्ट डिजायर कार कीमत लगभग 8 लाख सहित कुल लगभग 21,24,000 का मशरूका विधिवत जब्त किया है।

तेंदूखेड़ा, तेजगढ़, झलौन और तारादेही की कई बीटों में अवैध कटाई के आरोप

मानसून में पौधारोपण की तैयारी, लेकिन जंगलों में धड़ल्ले से काटे जा रहे हरे पेड़

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

एक ओर प्रदेश सरकार पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से मानसून के दौरान व्यापक पौधारोपण अभियान चलाने की तैयारी कर रही है। लाखों रुपये खर्च कर हजारों पौधे लगाने की योजनाएं बनाई जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर तेंदूखेड़ा उपवन मंडल के विभिन्न वन क्षेत्रों में हरे-भरे पेड़ों की कथित अवैध कटाई लगातार जारी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि वन माफिया बेखौफ होकर जंगलों में कुल्हाड़ी चला रहे हैं, जबकि जिम्मेदार अधिकारी इस पर प्रभावी अंकुश लगाने में नाकाम साबित हो रहे हैं।

तेंदूखेड़ा उपवन मंडल के अंतर्गत आने वाली तेंदूखेड़ा वन परिक्षेत्र की खकरिया बीट, तेजगढ़ रेंज की घुटरिया एवं पाँजी बीट, झलौन रेंज की डुकरसता बीट तथा तारादेही क्षेत्र की अन्य बीटों में भी लगातार हरे-भरे पेड़ों की कटाई होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन क्षेत्रों में कई स्थानों पर पेड़ों के ताजा ठूंठ, बिखरी टहनियां और काटे गए पेड़ों के अवशेष स्पष्ट रूप से देखे जा सकते हैं।

इमलीडोल मार्ग पर सड़क किनारे तीन बड़े हरे-भरे भीरा प्रजाति के पेड़ कटे हुए पाए गए। वहीं खकरिया मार्ग पर भी सड़क किनारे और जंगल के भीतर कई स्थानों पर हाल ही में पेड़ों की कटाई के प्रमाण दिखाई दिए। ग्रामीणों का कहना है कि पेड़ों की स्थिति से स्पष्ट प्रतीत होता है कि उनकी कटाई एक-दो दिन पहले ही की गई है। उनका आरोप है कि वन माफिया दिन में जंगलों का निरीक्षण कर पेड़ों को चिन्हित करते हैं और शाम होते ही उन्हें काटकर उपयोगी लकड़ी ले जाते हैं, जबकि बाकी हिस्सा जंगल में ही छोड़ दिया जाता है। खकरिया बीट क्षेत्र में मिले चरवाहों ने बताया कि जंगल में आने-जाने वाले कई लोगों के पास कुल्हाड़ी रहती है, लेकिन वन विभाग के कर्मचारी उनसे कभी पूछताछ नहीं करते। ग्रामीणों का कहना है कि यदि नियमित गश्त और निगरानी की जाए तो इस अवैध कटाई पर काफी हद तक रोक लगाई जा सकती है।

अधिकारियों को भी है अवैध कटाई की जानकारी

स्थानीय लोगों और सूत्रों का यह भी आरोप है कि तेजगढ़ रेंज की घुटरिया एवं पाँजी बीट, झलौन की डुकरसता बीट तथा तारादेही की अन्य बीटों में हो रही अवैध कटाई की जानकारी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, यहां तक कि वन मंडल अधिकारी तक भी पहुंच चुकी है। इसके बावजूद अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई सामने नहीं आई है। हालांकि इस संबंध में विभाग की ओर से आधिकारिक पुष्टि या प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हो सकी है। ग्रामीणों का कहना है कि जंगलों की सुरक्षा के लिए वनरक्षक, बीटगार्ड, डिप्टी रेंजर, रेंजर, सुरक्षा श्रमिक एवं वन समितियां तैनात हैं। इसके बावजूद लगातार सामने आ रही अवैध कटाई की घटनाएं वन सुरक्षा व्यवस्था की प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न लगा रही हैं। स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन एवं वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि सभी बीटों का संयुक्त सर्वे कराकर अवैध कटाई की निष्पक्ष जांच कराई जाए, दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए तथा नियमित गश्त बढ़ाकर जंगलों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। इस संबंध मे तेंदूखेड़ा उप वनमंडल अधिकारी प्रतीक दुबे ने कहा कि अगर चारों रेंज में कटाई हो रही है तो मैं दिखवाता हूं साथ में मौके पर मैं निरीक्षण करुंगा अगर जंगल में कटाई पाई जाती है स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी मैं जांच करा लेता हूं।

पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर का गणमान्यजनों से विचार-विमर्श कार्यक्रम आज

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

पद्मश्री विजय दत्त श्रीधर आज 27 जून को नरसिंहपुर प्रवास पर है। इस दौरान वे स्वामी विवेकानंद पीजी कॉलेज नरसिंहपुर में अपरान्ह 3 बजे गणमान्यजनों से विचार-विमर्श

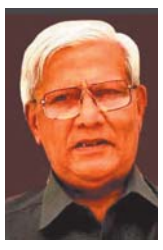

आयोजित किया गया है। मूलतः नरसिंहपुर निवासी पद्मश्री श्रीधर को हाल ही में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के द्वारा आयोजित हुए दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति के मुख्य आतिथ्य में डी. लिट.की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। इसी परिप्रेक्ष्य में आज श्रीधर जी का संक्षिप्त अभिनंदन कार्यक्रम कॉलेज के सभा कक्ष में ही होगा। इस कार्यक्रम में सुधिजनों, बुद्धिजीवियों, अधिवक्ताओं और पत्रकारों से उपस्थिति की अपेक्षा गणनायक फाउंडेशन ने की है।

हादसे में बाइक सवार घायल, रेफर

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

बीती रात थाना क्षेत्र के अंतर्गत नरगुवा की घाट पर एक बार फिर अंधे मोड़ पर बाइक सवार दो लोग हादसे के शिकार हो गए हैं जिन्हें गंभीर हालत में 108 की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर रेफर किया गया है घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार प्रतीम पिता चम्मू पाल उम्र 30 निवासी सहजपुर व कैलाश पाल निवासी सहजपुर जो कि खेती-बाड़ी के कार्य के चलते सहजपुर से डीजल लेने तेंदूखेड़ा आए थे जहां से वापस घर जाते समय हादसे शिकार हो गए हैं हादसे को लेकर बताया गया है प्रतीम और कैलाश दोनों बाइक से डीजल लेकर वापस घर जा रहे थे लेकिन नरगुवा की घाट पर पहुंचते ही सामने आ रही गाय को बचाने के चक्कर में अचानक सामने एक तेज रफ्तार कार से बचने के दौरान बाइक सवार सड़क किनारे गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद प्रतीम को जबलपुर रेफर किया गया है पूरे हादसे की पुलिस जांच कर रही है

सुरक्षा नियमों के लिए चलेगा विशेष अभियान

अनावश्यक कट और आवारा पशुओं को सड़कों से हटाएंगे

सागर। दोपहर मेट्रो

सागर में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित एवं सुगम बनाने तथा नागरिकों को बेहतर परिवहन सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर प्रतिभा पाल ने जिला सड़क सुरक्षा समिति के कार्यों की समीक्षा की। बैठक में पूर्व में दिए गए निर्देशों के पालन की जानकारी लेते हुए संबंधित विभागों को कड़े दिशा-निर्देश जारी किए गए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सोलंकी, डीएसपी ट्रैफिक मयंक चौहान, एसडीओ पीडब्ल्यूडी साहित्य तिवारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर पाल ने निर्देश दिए कि किसी भी रोटरी (चौराहे) और लेफ्ट टर्न पर भारी वाहनों तथा बसों को रुकने की अनुमति कतई न दी जाए। ऐसा करने वाले वाहनों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी ताकि मोड़ पर जाम और दुर्घटना की स्थिति न बने।

इसी क्रम में एंबुलेंस व पेट्रोलिंग वाहनों के चालकों, टोल प्लाजा कर्मचारियों तथा सड़क सुरक्षा से जुड़े कम से कम 60 व्यक्तियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि दुर्घटना के बाद घायलों को तत्काल सहायता देकर कैशलेस उपचार वाले अस्पतालों तक पहुँचाया जा सके। वर्तमान में प्रधानमंत्री राहत योजना के तहत 16 अस्पताल पंजीकृत हैं और तहसील स्तर पर भी अस्पतालों को जोड़ा जा रहा है। इसके साथ ही ट्रैक्टर-ट्रॉलियों एवं व्यावसायिक वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप और रेडियम स्ट्रिप लगाने की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिन ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर रेडियम स्ट्रिप नहीं लगी है, उन्हें टोल प्लाजा से गुजरने न दिया जाए, ताकि वाहन स्वामी सुरक्षा मानकों का पालन करने के लिए प्रेरित हों। वहीं मकरोनिया एवं मोतीनगर चौराहे पर सुबह के समय मजदूरों की भीड़ से प्रभावित होने वाले यातायात को सुधारने के लिए जंक्शन इम्प्रूवमेंट किया जाएगा।

मेट्रो एंकर क्विज प्रतियोगिताओं एवं जागरुकता कार्यक्रमों के माध्यम से दिया सुरक्षित डिजिटल भविष्य का संदेश

हजारों विद्यार्थियों ने ली साइबर सुरक्षा की शपथ

सागर। दोपहर मेट्रो

प्रदेशव्यापी सुरक्षित क्लिक, सुरक्षित भविष्य अभियान के तहत जिले के सभी पुलिस अनुविभागों एवं थाना क्षेत्रों में साइबर सुरक्षा को लेकर व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बीना जयवीर सिंह भदौरिया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सागर नरेंद्र सोलंकी के मार्गदर्शन तथा समस्त पुलिस अनुविभागीय अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों के नेतृत्व में आयोजित इन कार्यक्रमों में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं आमजन की उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिली। अभियान के तहत जिले के विद्यालयों, महाविद्यालयों, तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षण संस्थानों में विशेष साइबर सुरक्षा कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को वर्तमान समय में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों जैसे ऑनलाइन बैंकिंग फ्रॉड, फर्जी कॉल, फिशिंग

लिंक, सोशल मीडिया हैकिंग, डिजिटल पेमेंट धोखाधड़ी, यूपीआई फ्रॉड, ओटीपी ठगी, फर्जी वेबसाइट एवं ऑनलाइन गेमिंग से जुड़े साइबर जोखिमों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा शपथ दिलाई गई, जिसमें उन्होंने सुरक्षित एवं जिम्मेदारीपूर्ण डिजिटल व्यवहार अपनाने तथा स्वयं के साथ-साथ परिवार और समाज को भी साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। विभिन्न संस्थानों में साइबर सुरक्षा क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन कर विद्यार्थियों की साइबर सुरक्षा संबंधी जानकारी का परीक्षण किया गया तथा उन्हें साइबर जागरूकता का संदेश प्रसारित करने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रमों के दौरान पुलिस अधिकारियों द्वारा साइबर दोस्त,राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल तथा राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उपस्थित नागरिकों एवं विद्यार्थियों को बताया गया कि किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होने पर तत्काल 1930 हेल्पलाइन पर संपर्क करें तथा हृष्टत्रक्क पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर समय रहते आवश्यक कानूनी सहायता प्राप्त करें। जिले के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के साथ संवाद स्थापित कर सुरक्षित डिजिटल जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया ने जिले वासियों से अपील करते हुए कहा कि डिजिटल युग में जागरूकता ही सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है। किसी भी अनजान कॉल, संदिग्ध लिंक, फर्जी वेबसाइट, ओटीपी अथवा बैंकिंग जानकारी साझा करने से बचें तथा साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल 1930 हेल्पलाइन अथवा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल का उपयोग करें।

प्रपत्र-3

कार्यालय थाना प्रभारी थाना बैरागढ़ नगरीय पुलिस भोपाल

क्रमांक/थाना/बैरागढ़/भो/डी- 575/26 दिनांक 21/06/2026

प्रति,

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि थाना बैरागढ़ भोपाल नगरीय पुलिस भोपाल का गुम इंसान क्रमांक 35/26 की गुमशुदा सुनीता भील जो दिनांक 10.06.26 को अपने घर से कचरा फेकने जाने का कहकर गई थी जो वापस घर नहीं आई है। जिसकी तलाश आस पड़ौस व दोस्तों में किया कोई पता नहीं चला है मेरी लड़की का हुलिया रंग गोरा, बदन सामान्य, चेहरा गोल, बाल भूरे और छोटे जो नीले कलर का सलवार शुट, पैरो में काले कलर की चप्पल पहने है कि सूचना पर गुम इंसान क्रमांक 35/26 पंजीबद्ध कर जांच में लिया गया।

थाने का मोबाईल नंबर-7049104649, लैण्ड लाईन नंबर 07552641223
जांचकर्ता का नाम - कन्हैया यादव, जांचकर्ता का मोबाईल नंबर - 9425166070
थाने की ई मेल आईडी- psbairagarh@gmail.com
थाना प्रभारी बैरागढ़ मो. 9479990653

जी-14955/26

थाना प्रभारी
थाना बैरागढ़ भोपाल

टीम संयोजन बना हार की वजह

खुद के जाल में उलझे वर्ल्ड चैंपियन

आखिरकार अपने ही बुने जाल(टीम संयोजन) में टी20 वर्ल्ड चैंपियन उलझ गये ।दरअसल वैभव के रोमांच और टीम संयोजन की पशोपेश में उलझे टीम मैनजेमेंट को शायद इस बात का कोई अंदेशा ही नहीं था कि उसके खिलाफ आयरलैंड की टीम कोई बड़ा उलटफेर भी कर सकती है ।टी20 वर्ल्ड रैंकिंग में 12 वें नंबर की आयरलैंड टीम ने कमाल कर दिया है ।इस मेजबान टीम ने लगातार दो बार की वर्ल्ड चैंपियन टीम इंडिया को सीरीज की पहली भिड़ंत में 34 रनों के बड़े अंतर से हरा दिया है। टीम इंडिया के खिलाफ पहली बार मुकाबला जीतकर उसने सीरीज में 1/0 से बढ़त भी हासिल कर ली है ।इस जीत के साथ ही एक बात तय हो गयी है कि अब वर्ल्ड चैंपियन टीम से वह सीरीज हार नहीं सकती है ।अपनी पूरी ताकत से उतरी टीम इंडिया की इस तरह की शिकस्त का अनुमान शायद किसी भी खेल जानकार में सीरीज के पूर्व नहीं लगाया था ।दरअसल मैच और सीरीज को लेकर चर्चाओं का बाजार तो काफी गरम था लेकिन इसकी वजह सिर्फ क्रिकेट जगत के युवा विस्फोट वैभव सूर्यवंशी तक ही सीमित था ।वहीं जीत-हार की कोई बात ही नहीं कर रहा था ।क्रिकेट के तमाम पंडितों के लिए यह दौरा वैभव के डेब्यू उम्र और उसके अंतरराष्ट्रीय आगाज के तरीके तक केंद्रित था ।सच तो यह है कि टीम इंडिया के मैनेजमेंट

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

की सोच भी शायद वैभव और उसके एकादश में संयोजन की योजना तक सिमटी हुई थी ।सीरीज के आगाज के एक दिन पूर्व बल्लेबाजी कोच कोटक के बयान से तो ऐसा ही कुछ एहसास हुआ था ।अगर बात हम टीम के नये कप्तान श्रेयष अय्यर और मैनेजमेंट के तालमेल से हुए टीम संयोजन की करें तो फिर मेरे नजरिए में यही इस मैच के हार की सबसे बड़ी वजह कही जा सकती है ।दरअसल भले ही सीरीज का रोमांच वैभव के इर्दगिर्द सीमित नजर आ रहा था,लेकिन एकादश के संयोजन इस बात को नजरअंदाज किया गया कि यह सीरीज घरेलू मैदान से हटकर आयरलैंड की सरजमीं पर खेली जा रही है ।अंतिम एकादश के चयन में फिर वही फार्मूला रहा जिसमें 5 बल्लेबाज,3 गेंदबाज और इतने ही आलराउंडर का संयोजन किया गया ।टीम मैनेजमेंट की यह बात समझ से परे है कि मैनेजमेंट के इस फॉर्मूले के मायने क्या है ।ऐसा लगता है मैनेजमेंट को न ही अपने बल्लेबाजी क्रम पर पूरा भरोसा है और न ही शायद गेंदबाजों पर ।कुछ हद तक यह फार्मूला सही भी हो सकता है,लेकिन जब मुकाबले उस सरजमीं पर खेले जा रहे हों जहां गेंद हिल रही हो तो फिर 2 फिरकी आलराउंडर को एकादश में शामिल करना टीम के लिए घातक साबित ही साबित होगा ।टीम मैनेजमेंट की इस सोच की वजह यह हो सकती है कि टीम के किसी भी पहलू में हुई चूक की भरपाई आलराउंडर कर देंगे ।मेरे नजरिये में कई मौकों पर यही फार्मूला टीम के लिए घातक साबित होता है ।जब आलराउंडर ने ही गेंदबाजी किरदार निभा पाता है व न ही बतौर बल्लेबाज वह टीम को संकट से उभार पाता है ।ऐसा ही कुछ कल के मुकाबले में भी हुआ,जब वाशिंगटन सुंदर दोनों ही मुकाम पर फेल हुए ।भले ही टीम के नये नवेले कप्तान श्रेयष अय्यर ने हार की वजह गेंदबाजों को बताया,लेकिन सच तो यह है कि अभिषेक शर्मा की 20 गेंदों पर 50 रनों की पारी के बाद 9 वें नंबर तक बल्लेबाजी होने के बाद भी 182 रनों के लक्ष्य को हासिल न कर पाना बड़ी कमजोरी रही है ।अगर हम पूरे मैच की चूक की बात करें तो मेरे नजरिये में एकादश संयोजन ही हार की सबसे बड़ी वजह रही है ।अब देखना यह दिलचस्प रहेगा कि इस अप्रत्याशित करारी हार से सबक लेकर मैनेजमेंट कौनसा नया फार्मूला तैयार करता है ।भले ही रविवार को होने वाली दूसरी भिड़ंत में पूरे क्रिकेट जगत की निगाहें अब भी वैभव की आगाज पर टिकी होंगी,फिर भी मेरी निगाहें और उत्सुकता अब भी मैनजेमेंट के टीम संयोजन फॉर्मूले पर ही रहेगी।

टीम इंडिया ने FIH प्रो लीग में 7-1 से रौंदा

लंदन एजेंसी

भारतीय हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग 2025-26 में पाकिस्तान के खिलाफ ऐसा प्रदर्शन किया, जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा। शुरुआती गोल से पिछड़ने के बावजूद भारत ने जबरदस्त वापसी करते हुए पाकिस्तान को 7-1 से रौंद डाला। लंदन के ली वैली हॉकी एंड टेनिस सेंटर में खेले गए इस हाईवोल्टेज मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों ने हर विभाग में पाकिस्तान को पूरी तरह मात दी।

यह जीत सिर्फ तीन अंक हासिल करने तक सीमित नहीं रही, बल्कि भारत ने अपने सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी को यह भी याद दिला दिया कि पिछले एक दशक से एशियाई हॉकी में उसका दबदबा क्यों कायम है। खास बात यह रही कि इंग्लैंड के खिलाफ शूटआउट में मिली हार के महज 24 घंटे बाद भारतीय टीम ने शानदार वापसी करते हुए अपने फैन्स को जश्न मनाने का मौका दिया। भारतीय टीम के लिए सुखजीत सिंह (20वें मिनट), हरमनप्रीत सिंह (26वें मिनट), हार्दिक सिंह (34वें मिनट), जुगराज सिंह (35वें मिनट), अभिषेक (41वें मिनट), राज कुमार पाल (44वें मिनट) और दिलप्रीत सिंह (54वें मिनट) ने गोल दागे।

फिर घुटनों पर आया पाकिस्तान

भारतीय टीम ने गेंद पर बनाए रखा नियंत्रण

मैच की शुरुआत से ही भारतीय टीम ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और लगातार हमले किए। हालांकि शुरुआती तीन पेनल्टी कॉर्नर गंवाने के बाद भारत को झटका लगा। 13वें मिनट में पाकिस्तान को मिले पेनल्टी कॉर्नर पर कप्तान अबू महमूद ने जोरदार ड्रैग-फ्लिक लगाकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। लेकिन पाकिस्तान की यह खुशी ज्यादा देर नहीं टिक सकी। दूसरे क्वार्टर में भारत ने अपना असली रंग दिखाया। पेनल्टी कॉर्नर पर सुखजीत सिंह ने शानदार डिफ्लेक्शन के जरिए बराबरी का गोल दाग दिया। इसके कुछ ही मिनट बाद हरमनप्रीत ने खुद पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलते हुए भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी। तीसरे क्वार्टर में भारतीय टीम ने ऐसा तूफानी खेल दिखाया कि पाकिस्तान पूरी तरह बिखर गया। भारत ने लगातार चार गोल दागकर मुकाबले को एकतरफा बना दिया। पहले पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल हुआ, फिर पाकिस्तान के पेनल्टी कॉर्नर को नाकाम करने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार काउंटर अटैक खेला, जिसका अंत जुगराज सिंह के गोल के साथ हुआ। इसके बाद अभिषेक ने शानदार रिवर्स हिट से गोल किया, जबकि राज कुमार पाल ने भी अपना नाम स्कोरशीट में दर्ज कराया। सिर्फ 15 मिनट के भीतर चार गोल खाकर पाकिस्तान की टीम पूरी तरह मैच से बाहर हो गई।

जिम्नास्टिक के लिए खुशखबरी, हर्षित-अक्षत ने एशियन मीट में इतिहास रचा

मुंबई, एजेंसी

दीपा करमाकर, बी अरुणा रेड्डी, आशीष कुमार और प्रणति नायक जैसे खिलाड़ियों के बाद, भारतीय जिम्नास्टिक को दो ऐसे सितारे मले हैं, जिन्होंने भविष्य में कॉन्टिनेंटल और वर्ल्ड लेवल पर पदक की उम्मीदें जगाई हैं। हर्षित दामोदरन और अक्षत बजाज ने भारत के लिए वो मुकाम हासिल किया है जो अब तक कोई नहीं कर पाया। इस सप्ताह की शुरुआत में जुनी में हुई 13वीं सीनियर और 19वीं जूनियर पुरुष आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक एशियन चैंपियनशिप में जूनियर पुरुष वॉल्ट इवेंट में 1-2 नंबर पर रहे। हर्षित दामोदरन ने 23 जून को जूनियर पुरुष वॉल्ट इवेंट में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया।

उन्होंने वॉल्ट फाइनल में 13.649 स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। अक्षत बजाज ने 13.433 स्कोर के साथ रजत पदक और उज्बेकिस्तान के बेकजाद बख्तियारोव ने 13.283 स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। इन एथलीटों की सफलता भारतीय जिम्नास्टिक के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है।

इससे पहले, दीपा करमाकर, अरुणा रेड्डी, आशीष कुमार और प्रणति नायक जैसे खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सीनियर स्तर पर पदक जीते हैं। दीपा, जिन्होंने 2018 विश्व कप मर्सिन और 2024 एशियाई चैंपियनशिप ताशकंद में स्वर्ण पदक जीते, ने 2016 में रियो ओलंपिक में प्रोडुनोवा को उजागर करके दुनिया को चौंका दिया।

फीफा विश्व कप 2026, सेनेगल की जीत से नॉकआउट की उम्मीद बरकरार

डेम्बेले का हैट्रिक शो, फ्रांस ग्रुप में नंबर-1

टोरंटो/बॉस्टन, एजेंसी

फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-आई के आखिरी मुकाबलों में फ्रांस और सेनेगल ने दमदार प्रदर्शन करते हुए शानदार जीत दर्ज की। फ्रांस ने नॉर्वे को 4-1 से हराकर ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया और अंतिम-32 में अपनी जगह पक्की कर ली। वहीं, सेनेगल ने इराक को 5-0 से रौंदते हुए नॉकआउट चरण में पहुंचने की उम्मीदें बरकरार रखीं। अब उसकी नजर अन्य ग्रुपों के नतीजों पर रहेगी, ताकि वह सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों में जगह बना सके।

मैच से पहले मुकाबले को नॉर्वे के स्टार स्ट्राइकर एरलिंग हालैंड और फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे की टक्कर के रूप में देखा जा रहा था, लेकिन पूरी महफिल उस्मान डेम्बेले ने लूट ली। फ्रांस के स्टार विंगर ने पहले हाफ में

सातवें, 20वें और 32वें मिनट में गोल दागकर शानदार हैट्रिक पूरी की और मैच का रुख पूरी तरह अपनी टीम के पक्ष में मोड़ दिया।

नॉर्वे ने 21वें मिनट में थियो आसगार्ड के गोल से वापसी की कोशिश जरूर की, लेकिन फ्रांस ने पूरे मुकाबले में अपना दबदबा बनाए रखा। इंजरी टाइम (90+4%) में डिजायर डुए ने चौथा गोल दागकर फ्रांस की 4-1 की शानदार जीत पर मुहर लगा दी। इस जीत के साथ फ्रांस ग्रुप-आई में शीर्ष स्थान पर रहते हुए अगले दौर में पहुंच गया, जबकि नॉर्वे अब नॉकआउट चरण में कोट डी आइवर से भिड़ेगा।

सेनेगल ने गोल की बारिश कर जिंदा रखीं उम्मीदें

ग्रुप के दूसरे मुकाबले में सेनेगल के सामने सिर्फ जीत नहीं, बल्कि बड़े अंतर से जीत दर्ज करने की चुनौती थी। टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और चौथे मिनट में हबीब डियारा ने गोल कर बढ़त दिला दी। इराक की मुश्किलें 13वें मिनट में तब और बढ़ गईं, जब रेबिन सुलाका को रेड कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया गया। हालांकि, पहले हाफ में सेनेगल सिर्फ एक गोल की बढ़त बना सका, लेकिन दूसरे हाफ में उसने गोलों की झड़ी लगा दी। इस्माइला सार ने 56वें मिनट में दूसरा गोल किया। इसके बाद पापे गुएए ने 59वें और 71वें मिनट में दो शानदार गोल दागे, जबकि 82वें मिनट में इलिमान एनडियाये ने पांचवां गोल कर इराक की हार तय कर दी।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

काम ही सबसे बड़ी ताकत

अमिताभ ने सफलता और जिंदगी का बताया खास मंत्र

मुंबई। महानायक अमिताभ बच्चन ने एक बार फिर अपने ब्लॉग के जरिए जिंदगी, काम और जिम्मेदारियों को लेकर प्रेरणादायक विचार साझा किए हैं। उन्होंने कहा कि व्यक्ति जब अपने काम में पूरी तरह जुटा रहता है तो जीवन की कई चिंताएं स्वत: पीछे छूट जाती हैं। उनके अनुसार, काम केवल पेशा नहीं बल्कि मानसिक संतुलन बनाए रखने और आगे बढ़ने का सबसे प्रभावी माध्यम भी है।

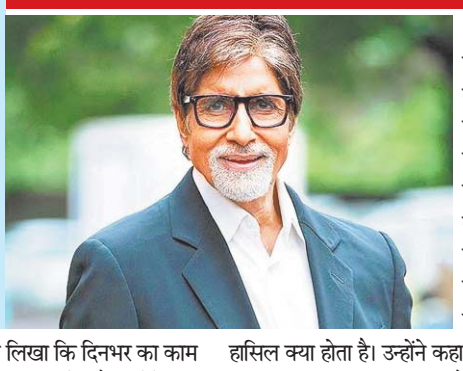

अपने ब्लॉग में अमिताभ बच्चन ने लिखा कि दिनभर का काम पूरा होने के बाद अब खुद पर काम करने का समय होता है। उन्होंने कहा कि जब इंसान काम में व्यस्त रहता है तो वही उसकी अधिकांश चिंताओं का समाधान बन जाता है। लेकिन जैसे ही काम रुकता है, बाकी परेशानियां भी सामने आने लगती हैं। उन्होंने सभी से लगातार सक्रिय रहने और अपने लक्ष्य पर ध्यान बनाए रखने की अपील की।इससे पहले अमिताभ बच्चन ने हॉलीवुड अभिनेता टॉम हैंक्स की आवाज में बनी द्वितीय विश्व युद्ध पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री देखने का अनुभव भी साझा किया था। उन्होंने लिखा कि इस डॉक्यूमेंट्री ने युद्ध की भयावहता और उसकी निरर्थकता को गहराई से महसूस कराया। उनके मुताबिक, लाखों निर्दोष लोगों की मौत और शहरों की तबाही आखिरकार इस सवाल को जन्म देती है कि युद्ध से वास्तव में हासिल क्या होता है। उन्होंने कहा कि अक्सर किसी एक व्यक्ति की महत्वाकांक्षा, अहंकार या गलत फैसलों का खामियाजा पूरी मानवता को भुगतना पड़ता है। युद्ध में हथियारों, हिंसा और विनाश के बीच सबसे अधिक पीड़ा आम नागरिकों और सैनिकों को झेलनी पड़ती है। अमिताभ ने यह भी लिखा कि द्वितीय विश्व युद्ध ने भले ही एक बड़े अत्याचार का अंत किया, लेकिन इसके बाद दुनिया को शीत युद्ध और परमाणु हथियारों जैसी नई चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

80 की उम्र के बाद भी लगातार सक्रिय हैं बिग बी

फिल्मी मोर्चे पर भी अमिताभ बच्चन पूरी ऊर्जा के साथ काम कर रहे हैं। 80 वर्ष की उम्र पार करने के बावजूद वह अपनी आगामी फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हैं। इन दिनों वह निर्देशक नाग अश्विन की बहुचर्चित फिल्म कल्कि 2898 एडी के सीक्वल पर काम कर रहे हैं। इस मेगा बजट साइंस-फिक्शन फिल्म में प्रभास, कमल हासन, दीपिका पादुकोण और दिशा पाटनी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का पहला भाग भविष्य की एक डिस्टोपियन दुनिया पर आधारित था, जहां कल्कि अवतार से जुड़ी एक महत्वपूर्ण कहानी को बड़े पैमाने पर प्रस्तुत किया गया था।

मेकअप तैयार होता था, लेकिन पसीने में बिगड़ जाता था

नीलम कोठारी को आज भी याद आता है 80-90 के दशक का सुनहरा दौर

मुंबई। 80 और 90 के दशक की चर्चित अभिनेत्री नीलम कोठारी ने अपने हालिया यूट्यूब व्लॉग में बॉलीवुड के उस दौर की यादें साझा कीं, जब फिल्मी दुनिया में ग्लैमर तो था, लेकिन आज जैसी आधुनिक सुविधाएं नहीं थीं। उन्होंने कहा कि उस समय शूटिंग के दौरान एयर कंडीशनर, वैनिटी वैन और लग्जरी सुविधाओं का अभाव था, फिर भी कलाकार पूरे उत्साह और समर्पण के साथ काम करते थे। नीलम के मुताबिक, उस दौर की सादगी, अपनापन और टीम भावना आज भी उन्हें सबसे ज्यादा आकर्षित करती है। नीलम ने बताया कि शूटिंग के दिनों में सेट पर पहुंचते ही गर्मी और पसीने का सामना करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि मेकअप और हेयरस्टाइल तैयार करने में करीब दो घंटे लग जाते थे, लेकिन जैसे ही कैमरे के सामने पहुंचती थीं, गर्मी की वजह से पूरा लुक प्रभावित हो जाता था। इसके बावजूद कलाकार बिना शिकायत अपने काम पर पूरा ध्यान देते थे। उन्होंने कहा कि आज की सुविधाएं भले बेहतर हों, लेकिन पुराने दौर की आत्मीयता और काम का आनंद कहीं ज्यादा खास था।

नीलम ने अभिनेता गोविंदा के साथ अपने काम करने के अनुभव भी साझा किए। उन्होंने बताया कि दोनों जब भी किसी गाने की शूटिंग करते थे, तो उनके बीच यह दोस्ताना चुनौती रहती थी कि कौन बेहतर डांस करेगा। यही स्वस्थ प्रतिस्पर्धा उनके गानों को और भी शानदार बना देती थी। नीलम ने कहा कि दर्शकों ने उनकी और गोविंदा की जोड़ी को हमेशा खूब प्यार दिया, जिसका असर आज भी देखने को मिलता है। नीलम ने अपने सुपरहिट गाने आप के आ जाने से को याद करते हुए कहा कि यह गीत उनके करियर का सबसे यादगार और लोकप्रिय गाना है। उन्होंने दर्शकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लोगों के प्यार ने इस गाने को एक आइकॉनिक पहचान दिलाई।

मेट्रो बाजार

आयातित दवाओं के लिए शेष शेल्फ लाइफ नियमों में राहत की तैयारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आयातित दवाओं के लिए बची हुई शेल्फ लाइफ के नियमों में ढील देने का प्रस्ताव रखा है। इसके तहत मौजूदा नियम, जिसमें आयात के समय दवा की कुल शेल्फ लाइफ का 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बचा होना जरूरी है, को बदलकर न्यूनतम 12 महीने की शेल्फ लाइफ रखने का प्रस्ताव किया गया है। सरकार का मानना है कि इससे दवा आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) अधिक प्रभावी होगी और फार्मास्युटिकल क्षेत्र में कारोबार करना आसान होगा। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) ने ड्रग्स रूल्स, 1945 के नियम 31 में संशोधन का मसौदा अधिसूचना जारी की है और इस प्रस्ताव पर सभी संबंधित पक्षों से सुझाव और टिप्पणियां आमंत्रित किए हैं।

प्रस्तावित संशोधन के तहत, भारत में आयात होने वाली दवाओं के पास आयात के समय कम से कम 12 महीने की शेष शेल्फ लाइफ होना अनिवार्य होगा, जबकि वर्तमान में उनकी कुल शेल्फ लाइफ का 60 प्रतिशत से अधिक शेष रहने की आवश्यकता होती है।

हालांकि, सरकार ने बायोलॉजिकल उत्पादों और रेडियोफार्मास्युटिकल दवाओं के लिए मौजूदा नियमों को बरकरार रखने का प्रस्ताव दिया है, क्योंकि इनका उपयोग विशेष परिस्थितियों में होता है और ये सार्वजनिक स्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। मंत्रालय के अनुसार, इस बदलाव का उद्देश्य आयात नियमों को अधिक व्यावहारिक बनाना है, जबकि यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि मरीजों को पर्याप्त उपयोग अवधि वाली दवाएं मिलती रहें।

भारत के किराना बाजार का आकार वित्त वर्ष 30 तक 992 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमान

नई दिल्ली। भारत के घरेलू किराना बाजार का आकार वित्त वर्ष 30 तक बढ़कर 992 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमान है। मौजूदा समय में 91 प्रतिशत किराना की खरीदारी स्टॉर्स के जरिए होती है, जो दिखाता है कि डिजिटल की हिस्सेदारी अभी भी काफी कम है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। रेडसीर की रिपोर्ट में बताया गया है कि वित्त वर्ष 30 तक भारत के 15 करोड़ से अधिक परिवारों का सालाना खर्च 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक होने का अनुमान है, जिसमें किराना की हिस्सेदारी सबसे अधिक होगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का कुल किनारा बाजार 8 प्रतिशत से अधिक की सीएजीआर दर से बढ़कर वित्त वर्ष 30 तक 658 अरब डॉलर से 992 अरब डॉलर पहुंचने की राह पर है। किनारा के क्षेत्र में अगले दशक की बढ़त मेट्रो शहरों की रणनीतियों को टियर-2 और टियर-3 मार्केट में लागू करके हासिल नहीं की जा सकेगी। हालांकि, जो ब्रांड सफल होंगे, वे घरेलू ग्राहकों की जरूरतों और पसंद को ध्यान में रखते हुए अपने पोर्टफोलियो, कीमत और डिस्ट्रीब्यूशन के तरीके को बदलेंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, खरीदार क्षेत्रीय वैरायटी, छोटे पैक साइज और किफायती कीमत वाले ब्रांडेड, पैक्ड और सेहतमंद प्रोडक्ट्स को पसंद करते हैं। अभी एक बड़े %वैल्यू ग्रॉसरी% प्लेयर के पास लगभग 278 क्षेत्रीय और प्राइवेट-लेबल ब्रांड होते हैं, जो पुराने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म की तुलना में तीन गुना से भी ज्यादा हैं। इसके लगभग 58 प्रतिशत एसकेयू क्षेत्रीय या प्राइवेट लेबल वाले होते हैं, जबकि पुराने प्लेटफॉर्म पर यह आंकड़ा 18-20 प्रतिशत ही होता है।

प्रदेश की शान है मांडू... यहां हर नजारा कर देगा आपको हैरान

धार/भोपाल। भारत का दिल कहलाने वाला मध्य प्रदेश अपनी खूबसूरती की वजह से टूरिज्म का बेहतरीन स्पॉट है, लेकिन मांडू की बराबरी कोई नहीं कर सकता। अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शानदार वास्तुकला के कारण मांडू यूनेस्को की टेंटेटिव वर्ल्ड हेरिटेज साइट लिस्ट में भी शामिल है। धार जिले में स्थित मांडू या मांडव इंदौर से लगभग 100 किमी दूर है। यहा दो मंजिला भव्य महल मांडू की पहचान है। यह दो कृत्रिम झीलों, कूपर और मुंज सागर तालाब के बीच बना है और इसकी बनावट इस तरह है कि ऐसा लगे, जैसे पानी के बीच कोई बड़ा जहाज खड़ा हो। इसलिए इसे जहाज महल कहा जाता है। मानसून में जब झीलें पानी से भर जाती हैं, तब यह और भी खूबसूरत लगता है।

न्यूज विंडो

वेनेजुएला : मदद के लिए भारत शुरू किया ऑपरेशन अमिस्ताद

नई दिल्ली। विनाशकारी भूकंप से प्रभावित वेनेजुएला को मानवीय सहायता देने के लिए भारत ने 'ऑपरेशन अमिस्ताद' शुरू किया है। इसके तहत राहत सामग्री और 41 सदस्यों वाले बचाव दल को लेकर भारतीय वायुसेना के दो सी-17 ग्लोबमास्टर विमान को रवाना हुए, ताकि वहां चल रहे राहत और बचाव कार्यों में मदद की जा सके। अमिस्ताद स्पेनिश भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ मित्रता या दोस्ती होता है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस मुश्किल समय में भारत वेनेजुएला की सरकार और वहां की जनता के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। ऑपरेशन अमिस्ताद एक मानवीय सहायता और आपदा राहत मिशन है।

शोएब अख्तर के भाई के जनाजे में दिखे लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर के बड़े भाई शाहिद अख्तर के जनाजे को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो और तस्वीरों में प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े बताए जा रहे कुछ लोगों की मौजूदगी का दावा किया जा रहा है। इन तस्वीरों के सामने आने के बाद एक बार फिर पाकिस्तान में आतंकियों की सार्वजनिक मौजूदगी और उन्हें मिलने वाले कथित संरक्षण को लेकर सवाल उठने लगे हैंशाहिद अख्तर का 24 जून को निधन हो गया था। इसके बाद इस्लामाबाद के एच-8 कब्रिस्तान में उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया गया। जनाजे में खेल, राजनीति और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े कई लोग शामिल हुए थे।

मिर्जापुर में प्रेमी के चक्कर में हाई टेंशन टॉवर पर चढ़ी प्रेमिका

मिर्जापुर। प्रेमी के चक्कर में प्रेमिका आज सुबह हाई टेंशन टॉवर पर चढ़ गई। उसको मनाने के लिए स्वजन, ग्रामीण के साथ पुलिस प्रशासन पहुंच गया, लेकिन अभी तक हाई टेंशन टॉवर पर बालिका चढ़ी हुई है। विकास खंड सिटी के गांव का नाम बेदौली कला, थाना कोतवाली देहात, चौकी गुरसंडी निवासी मूर्ति नारायण बिंद की लड़की अर्चना का प्रेम प्रसंग गांव के ही राजेन्द्र बिंद के लड़के राहुल के साथ चल रहा है। प्रेम के चक्कर में शनिवार को हाईटेंशन टावर पर चढ़ गई। बालिका को देखने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी है। वह गांव के एक विधालय में इंटर की छात्रा है।

NOTTO ने देशभर के अस्पतालों को दिए निर्देश

सार्वजनिक करने होंगे किडनी ट्रांसप्लांट सर्वाइवल और ऑर्गन फेलियर के आंकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी

किडनी ट्रांसप्लांट करने वाले अस्पतालों को अब मरीजों के बचने की दर, मौत के आंकड़े, ग्राफ्ट फेल होने और लंबे समय के नतीजों की जानकारी सार्वजनिक करनी होगी। इससे उस व्यवस्था का अंत होगा जिसमें मरीजों को यह जाने बिना सर्जरी के लिए जगह चुननी पड़ती थी कि संबंधित सेंटर का प्रदर्शन कैसा रहा है। बीजेपी सांसद कैप्टन ब्रजेश चौटा द्वारा ट्रांसप्लांट के नतीजों में पारदर्शिता की कमी की ओर ध्यान दिलाए जाने के बाद नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन (एनओटीटीओ) ने देश भर के ट्रांसप्लांट सेंटरों को निर्देश दिया है कि वे ये आंकड़े अपनी वेबसाइट पर डालें। एनओटीटीओ के डायरेक्टर डॉ. अनिल कुमार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि हर ट्रांसप्लांट अस्पताल अपनी वेबसाइट पर ट्रांसप्लांट के बाद के नतीजों के आंकड़े प्रमुखता से दिखाए और नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट रजिस्ट्री को पूरा और समय पर फॉलो-अप डेटा सौंपे।

कैप्टन चौटा ने कमियों को लेकर उठाए थे सवाल

अस्पतालों से यह भी कहा गया है कि वे मरीजों और उनके परिवारों या अभिभावकों से सहमति लेने से पहले की जाने वाली प्रक्रियाओं और उनसे जुड़े जोखिमों व संभावित नतीजों के बारे में पूरी जानकारी दें। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को दिए गए अपने ज्ञापन में कैप्टन चौटा ने मंगलुरु के दो नागरिकों की रिपोर्ट का हवाला देते हुए किडनी ट्रांसप्लांट के मामलों के लंबे समय के नतीजों पर नजर रखने में कमियों की ओर इशारा किया था। सांसद ने कहा कि लोगों का ध्यान ज्यादातर सफल ट्रांसप्लांट पर होता है जबकि लंबे समय की जटिलताओं, ग्राफ्ट फेल होने और ट्रांसप्लांट के बाद होने वाली मौतों पर ठीक से नजर नहीं रखी जाती। पत्र में लंबे समय के नतीजों की निगरानी के लिए राष्ट्रीय रजिस्ट्री न होने की बात भी कही गई और तर्क दिया गया कि ज्यादा पारदर्शिता से मरीजों को सही जानकारी के आधार पर फैसले लेने में मदद मिलेगी।

डॉक्टरों ने इसे माना बड़ा कदम

दिल्ली के द्वारका स्थित आकाश अस्पताल में नेफ्रोलॉजी और किडनी ट्रांसप्लांट के एडिशनल डायरेक्टर डॉ. अनुपम रॉय ने कहा कि ट्रांसप्लांट के नतीजों को सार्वजनिक करना पारदर्शिता और जवाबदेही की दिशा में एक अहम कदम है। इससे मरीजों को सही जानकारी मिलेगी। हालांकि, इन नतीजों को मरीज की जटिलता और जोखिम प्रोफाइल के संदर्भ में समझा जाना चाहिए। मानक रिपोर्टिंग फॉर्मेट के तहत अस्पतालों को किडनी ट्रांसप्लांट के बाद डिस्चार्ज के समय, छह महीने, एक साल, तीन साल और पांच साल बाद जीवित मरीजों, मौतों, ग्राफ्ट फेल होने और फॉलो-अप से बाहर हो चुके मरीजों की संख्या और प्रतिशत का खुलासा करना होगा।

पुंछ में एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश

भारतीय सेना ने बॉर्डर पार करते पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा

पुंछ, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास सुरक्षाबलों ने एक पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा है। इस व्यक्ति की पहचान रफीक के बेटे मोहम्मद सज्जाद के तौर पर हुई है, जो पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के पोलास का रहने वाला है। इलाके में नियमित निगरानी के दौरान संदिग्ध हरकत करते हुए देखे जाने पर उसे रोका गया। सुरक्षा एजेंसियां पीओके के इस निवासी से पूछताछ कर रही हैं ताकि उसके मकसद और बैकग्राउंड का पता लगाया जा सके। कटड़ा शहर, यात्रा मार्ग और पवित्र मंदिर के आसपास के पहाड़ी इलाकों, ऊंची चोटियों और संवेदनशील जगहों की सुरक्षा पर विशेष जोर दिया गया। डीआईजी ने प्रभावी ढंग से इलाके पर नियंत्रण रखने और सुरक्षा में किसी भी तरह की चूक को रोकने के लिए ऊंची जगहों और संवेदनशील पॉइंट्स पर निगरानी बढ़ाने और जवानों की रणनीतिक तैनाती का निर्देश दिया गया है।

लखनऊ : एक लाख का इनामी शूटर एनकाउंटर में ढेर बिल्डर संदीप सिंह हत्याकांड का था मुख्य आरोपी

लखनऊ. एजेंसी। राजधानी लखनऊ के इंदिरा कैनाल रोड पर पुलिस ने अंबेडकरनगर के कुख्यात अपराधी संजय उर्फ संजीव को मुठभेड़ में मार गिराया। पुलिस के अनुसार संजीव पर 1 लाख रुपए का इनाम घोषित था और वह कई संगीन आपराधिक मामलों में वांछित था। बताया गया कि संजीव अंबेडकरनगर, बस्ती और अयोध्या समेत कई जिलों में गंभीर वारदातों को अंजाम दे चुका था। वह बिल्डर संदीप सिंह हत्याकांड का भी मुख्य आरोपी था, जिसके बाद से पुलिस उसकी लगातार तलाश कर रही थी। पुलिस के मुताबिक, मुठभेड़ के दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में वह घायल हुआ और बाद में उसकी मौत हो गई।

तमिलनाडु के मंत्री का वीडियो वायरल, ड्रग्स के आरोपों पर कहा- बेटी के लिए पीस रहा था दवा

चेन्नई, एजेंसी

तमिलनाडु सरकार में मानव संसाधन विकास मंत्री डी. सरथकुमार ने सोशल मीडिया पर खुद से जुड़े मादक पदार्थों (ड्रग्स) के सेवन के आरोपों का खंडन किया है। इंटरनेट पर उनका एक 2 साल पुराना वीडियो दोबारा वायरल हो रहा है, जिसे खुद मंत्री सरथकुमार ने पूर्व में 'ठग लाइफ मोमेंट्स' कैप्शन के साथ पोस्ट किया था। इस वीडियो में वह मोबाइल फोन की स्क्रीन पर किसी एटीएम कार्ड की मदद से सफेद रंग का पाउडर जैसी कोई चीज फैलाते हुए दिख रहे हैं। वायरल वीडियो के कारण बढ़ते विवाद के बीच एक वीडियो जारी करते हुए मंत्री ने कहा कि मुझ पर लगाए जा रहे आरोप पूरी तरह से झूठे और राजनीति से प्रेरित हैं। उस वक्त मैं अपनी बेटी के लिए एक मेडिसिन टैबलेट (गोली) को बारीक पीस रहा था, क्योंकि वह पूरी गोली निगलने में असमर्थ थी।

उन्होंने आगे बताया कि यह पूरी घटना दो वर्ष पहले एक आईपीएल मैच के दौरान की है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब स्टेडियम में चारों तरफ भारी संख्या में पुलिसकर्मी, वीआईपी और आम जनता मौजूद हो, तो ऐसे सार्वजनिक स्थान पर किसी के लिए भी ड्रग्स का सेवन करना व्यावहारिक रूप से कैसे संभव हो सकता है? मंत्री ने कहा कि खुद को सही साबित करने के लिए जरूरत पड़ने पर वह जांच के लिए भी तैयार हैं।

बीजेपी सांसद ने अपनी ही पार्टी के विधायक पर लगाया आरोप

ब्राह्मण होने की वजह से पहली पंक्ति में बैठने से रोका गया : मेधा कुलकर्णी

पुणे, एजेंसी

महाराष्ट्र के पुणे में कॉम्पिटिटिव एग्जाम में सफल हुए मराठा उम्मीदवारों के सम्मान समारोह के दौरान बीजेपी की राज्यसभा सांसद मेधा कुलकर्णी ने अपनी ही पार्टी के विधायक पर उन्हें अगली पंक्ति में बैठने से रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए किया गया, क्योंकि वह ब्राह्मण हैं। हालांकि, जिन विधायक अभिमन्यु पवार पर उन्होंने यह आरोप लगाया उन्होंने कहा कि यह एक गलतफहमी थी और इस बात से इनकार किया कि इस मामले में जाति कोई मुद्दा था। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मौजूदगी में हुए इस कार्यक्रम का आयोजन मराठा समुदाय के उन उम्मीदवारों के सम्मान के लिए किया गया था, जिन्होंने यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन (यूपीएससी), महाराष्ट्र पब्लिक सर्विस कमीशन (एमपीएससी) और अन्य संस्थाओं द्वारा आयोजित कॉम्पिटिटिव एग्जाम पास किए थे। कुलकर्णी ने आरोप लगाया कि पवार ने उन्हें पहली पंक्ति में बैठने से रोका और कहा कि यह कार्यक्रम मराठा समुदाय के लिए था। उन्होंने कहा कि इस आदेश के तुरंत बाद वह कार्यक्रम से चली गईं। उन्होंने कहा कि चूंकि कोई अन्य सांसद मौजूद नहीं था इसलिए अधिकारियों का मानना था कि प्रोटोकॉल के अनुसार मैं पहली पंक्ति में बैठ सकती हूं।

मेट्रो एंकर

सुप्रीम कोर्ट ने एनसीडीआरसी के आदेश को रद्द किया, कहा-

कब्जा मिलने के बाद भी बिल्डर से मुआवजे का हकदार है घर खरीदार

नई दिल्ली, एजेंसी

फ्लैट का कब्जा लेने के बाद भी घर खरीदार सर्विस में कमी के लिए रियल एस्टेट कंपनियों के खिलाफ शिकायत कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि घर खरीदार फ्लैट का कब्जा लेने के बाद भी कब्जा मिलने में हुई देरी के लिए मुआवजा पाने के लिए डेवलपर्स के खिलाफ कंज्यूमर फोरम में जा सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल कंज्यूमर डिस्प्यूट्स रिड्रेसल कमीशन (एनसीडीआरसी) के उस आदेश को रद कर दिया जिसमें कहा गया था कि फ्लैट का कब्जा लेने के बाद घर खरीदार कंज्यूमर नहीं रह जाता और देरी के लिए मुआवजा नहीं मांग सकता।

कंज्यूमर फोरम जाने से नहीं रोका जा सकता

अदालत ने यह भी कहा कि घर खरीदार और रियल एस्टेट कंपनी के बीच हुए एग्रीमेंट में मौजूद आर्बिट्रेशन क्लॉज (मध्यस्थता की शर्त) खरीदार को अपनी शिकायतें लेकर कंज्यूमर फोरम में जाने से नहीं रोक सकता। एनसीआर के द्वारका में एक हाउसिंग प्रोजेक्ट में फ्लैट का कब्जा मिलने के बाईस साल बाद जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने फ्लैट सौंपने में हुई देरी के लिए मुआवजा मांगने की खरीदार की याचिका को मंजूरी दे दी। बेंच ने कहा कि एनसीडीआरसी का तर्क सही नहीं ठहराया जा सकता।

फ्लैट का कब्जा सौंपने में हुई थी देरी

बेंच ने कहा कि अपीलकर्ता की शिकायत सिर्फ कब्जा पाने के बारे में नहीं थी। उसकी शिकायत यह थी कि फ्लैट का कब्जा सौंपने में देरी हुई थी और वह इस देरी के लिए मुआवजा पाने का हकदार था। कब्जा मिलने में देरी के लिए मुआवजे का दावा असल में कब्जा मिलने से पहले की अवधि से जुड़ा होता है। बाद में कब्जा मिल जाने से देरी के लिए मुआवजे के दावे पर फैसला पाने का अलॉटी (आवंटी) का अधिकार अपने-आप खत्म नहीं हो जाता। बेंच ने घर खरीदार की ओर से जिला उपभोक्ता फोरम में 2005 में दायर शिकायत को फिर से शुरू किया और फोरम से कहा कि वह एक साल के भीतर यह तय करे कि क्या इसमें कोई देरी हुई थी।

सीएम शुभेंदु से मिले अनुपम खेर खोलना चाहते हैं एक्टिंग स्कूल

कोलकाता, एजेंसी

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता-निर्माता अनुपम खेर ने कोलकाता पहुंचकर बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से शिष्टाचार मुलाकात की। राज्य में हुए ऐतिहासिक राजनीतिक सत्ता परिवर्तन के बाद अनुपम खेर का यह पहला कोलकाता दौरा है। सीएम से मुलाकात के बाद पत्रकारों से मुखातिब होते हुए अनुपम खेर ने बंगाल के नए राजनीतिक नेतृत्व की जमकर सराहना की अपनी नई फिल्म 'शुरू से शुरू' का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि बंगाल में अब सकारात्मक बदलाव की एक नई शुरुआत होनी चाहिए। अनुपम खेर ने बंगाली कला और संस्कृति की समृद्ध विरासत को नमन करते हुए कहा कि पूरी दुनिया ने सिनेमा और संगीत बंगाल से ही सीखा है। उन्होंने मणिक दा (सत्यजित राय), मृणाल सेन और बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय जैसे महान दिग्गजों को याद किया। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री के सामने बंगाल में एक विश्वस्तरीय एक्टिंग स्कूल (अभिनय प्रशिक्षण संस्थान) खोलने की इच्छा जाहिर की, जिस पर मुख्यमंत्री ने उन्हें पूर्ण सहयोग और शुभकामनाएं दीं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564